ज्ञानामृत

दीपक सोने का हो या मिट्टी का मूल्य उसका नहीं होता, मूल्य होता है उसकी लौ का जिसे कोई अँधेरा, अँधेरे के तरकश का कोई तीर ऐसा नहीं जो बुझा सके।

▶▶ विष्णु प्रभाकर

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, बुधवार, 1 अप्रैल 2026 | वर्ष- 09 | अंक- 91 | पेज- 08 | मूल्य- ₹1.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

टोल प्लाजा पर आज से केवल डिजिटल भुगतान ही मान्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल से जुड़े नियमों में बदलाव किया है और अब एक अप्रैल से टोल प्लाजा पर डिजिटल भुगतान ही मान्य होगा, यानी अब हाइवे यूजर्स कैश में टोल का भुगतान

नहीं कर पाएंगे। एनएचएआई का यह कदम पूरे देश में उसके सभी टोल प्लाजा पर लागू होगा। एनएचएआई के मुताबिक, एक अप्रैल से यात्री केवल टोल प्लाजा पर डिजिटल माध्यम जैसे फास्टैग और यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर पाएंगे। इस कदम का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली में दक्षता बढ़ाना और पारदर्शिता लाना है। अधिकारियों का मानना है कि पूरी तरह से डिजिटल प्रणाली से वाहनों को टोल प्लाजा से तेजी से गुजरने में मदद मिलेगी, जिससे लंबी कतारें कम होंगी और यात्रा का समय बचेगा।

अमेरिका में वर्क वीजा... आज से लागू होगा नया फॉर्म आई-129

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नागरिकता और आप्रवासन सेवा (यूएससीआईएस) ने फॉर्म आई-129 से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। नए नियमों के तहत यदि कोई आवेदन पुराने फॉर्म में जमा

किया जाता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। फॉर्म आई-129 का उपयोग अमेरिकी कंपनियां विदेशी कर्मचारियों को अस्थायी रूप से काम या प्रशिक्षण के लिए बुलाने हेतु करती हैं। इसमें एच-1बी सहित कई गैर-आप्रवासी वीजा श्रेणियां शामिल हैं। नए फॉर्म में वित्त वर्ष 2027 के एच-1बी वीजा के लिए महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब चयन प्रक्रिया वेतन-आधारित लॉटरी प्रणाली पर आधारित होगी, जिससे अधिक वेतन वाले प्रस्तावों को प्राथमिकता मिल सकती है।

निर्वाचन आयोग कार्यालय के सामने भिड़े बीजेपी-टीएमसी कार्यकर्ता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर मंगलवार को तनावपूर्ण स्थिति बन गई। यहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थित बूथ-स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच

मतदाता सूची में कथित हेरफेरी को लेकर झड़प हुई। पुलिस को स्थिति को काबू में लाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। दोपहर में विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और उन पर अशांति भड़काने का आरोप लगाया। उनके जाने के थोड़ी देर बाद फॉर्म 6 के कथित दुरुपयोग को लेकर विरोध प्रदर्शन भड़क गया।

लाइफलाइन हुई मजबूत: मुख्यमंत्री ने 370 नई एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी

प्रदेश के शहरों में 15 और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर पहुंचे एम्बुलेंस : साय

विजय मत, रायपुर

प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 300 बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही 108 एम्बुलेंस सेवा पूरे प्रदेश में तत्काल प्रभाव से शुरू हो गई है, जिससे आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार हुआ है और अब लोगों का भरोसा सरकारी अस्पतालों पर बढ़ा है। इस पहल के तहत पहली बार प्रदेश में 5 नियोनेटल एएलएस एम्बुलेंस की शुरुआत की गई है, जो नवजात शिशुओं के लिए विशेष रूप से तैयार की गई हैं। मुख्यमंत्री ने इसे नवजात सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम बताया।

नवजातों के लिए 'चलता-फिरता आईसीयू' साबित होंगी एम्बुलेंस

नई नियोनेटल एम्बुलेंस अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। इनमें इन्क्यूबेटर, वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर, सिरिंज पंप और पर्याप्त ऑक्सीजन सपोर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। 24 घंटे प्रशिक्षित तकनीशियन, ईएमटी और पायलट तैनात रहेंगे, साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टरों का ऑनलाइन मार्गदर्शन भी मिलेगा। इन एम्बुलेंसों को नवजात शिशुओं के लिए 'चलते-फिरते आईसीयू' के रूप में तैयार किया गया है, जिससे गंभीर स्थिति में सुरक्षित उपचार संभव होगा।

बीएलएस और एएलएस एम्बुलेंस में मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

नई एम्बुलेंसों में बीपी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ईसीजी मॉनिटर और ग्लूकोमीटर जैसी जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ ही ऑक्सीजन सपोर्ट, नेब्युलाइजर और अन्य आपातकालीन उपचार की व्यवस्था भी की गई है। गंभीर मरीजों के लिए पोर्टेबल वेंटिलेटर और अन्य उन्नत उपकरण लगाए गए हैं, जिससे मौके पर ही प्राथमिक और उन्नत उपचार संभव होगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी और जवाबदेही पर जोर

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इसे राज्य के लिए ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि इससे लाखों लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बन गया है, जहां नियोनेटल एम्बुलेंस सेवा शुरू हुई है। सरकार ने एम्बुलेंस सेवा की निगरानी के लिए विशेष सिस्टम भी तैयार किया है, ताकि किसी भी तरह की लापरवाही पर तुरंत कार्रवाई हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल प्रदेश के हर नागरिक तक समय पर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए मजबूत जीवनरक्षक तंत्र साबित होगी और आने वाले समय में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा।

बैंक करप्सी संशोधन बिल पास

कंपनी डिफॉल्ट हुई तो सबसे पहले मजदूरों को मिलेगा बकाया

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने 30 मार्च को दिवालियापन कानून में बदलाव वाला बिल पास कर दिया। अब कोई कंपनी दिवालिया होने पर उसकी संपत्ति बेचकर जो पैसा मिलेगा, उसमें सबसे पहले मजदूरों और कर्मचारियों की रुकी हुई सैलरी और बकाया चुकाया जाएगा। इसके बाद ही बाकी लोगों को भुगतान होगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह नया सिस्टम पुराने फास्ट-ट्रैक प्रोसेस की जगह लेगा, क्योंकि पुरानी व्यवस्था ठीक से काम नहीं कर रही थी। इसके अलावा, अब एक ही ग्रुप की कई कंपनियों और विदेशों में फंसी उनकी संपत्तियों से जुड़े विवादों को सुलझाना भी आसान होगा। संसद के बजट सत्र के दौरान चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भरोसा दिलाया कि दिवालिया प्रक्रिया के दौरान मजदूरों के हितों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून में ऐसे प्रावधान किए गए हैं, जिससे कामगारों के बकाए को भुगतान की लिस्ट में ऊपर रखा जाए।

14 दिन में मंजूर करनी होगी अर्जी... संशोधन बिल का एक और बड़ा फायदा यह है कि अब दिवालिया मामलों को लटकाया नहीं जा सकेगा। जैसे ही किसी कंपनी का डिफॉल्ट (कर्ज न चुका पाना) साबित हो जाएगा, उसके खिलाफ इनसॉल्वेंसी की अर्जी को 14 दिन के भीतर स्वीकार करना अनिवार्य होगा। इससे पूरी प्रक्रिया तेज होगी और कर्मचारियों को अपना हक मिलने में सालों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

आंध्रा हाईकोर्ट का फैसला... मायके से मिली संपत्ति पर पति का अधिकार नहीं

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी हिंदू महिला को माता-पिता से विरासत में संपत्ति मिली है और उसकी मौत बिना संतान, वसीयत किए बिना ही हो जाती है, तो उस संपत्ति पर पति-ससुराल का कानूनी हक नहीं होगा। ऐसी संपत्ति महिला के पिता के कानूनी वारिसों को जाएगी।

निसंतान महिला का सब कुछ पिता के वारिस को मिलेगा

जस्टिस तारलाडा राजशेखर राव ने कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 15(2)(ए) इस बारे में साफ है। मामला एक परिवार की संपत्ति से जुड़ा है। 2002 में एक महिला ने अपनी संपत्ति पहली नातिन को गिफ्ट कर दी थी। 2005 में उस नातिन की बिना संतान मौत हो गई। इसके बाद नानी ने पुराना गिफ्ट रद्द कर संपत्ति दूसरी नातिन के नाम वसीयत कर दी। 2012 में दादी की मौत के बाद दूसरी नातिन ने राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का आवेदन किया। राजस्व अधिकारी ने दूसरी नातिन के पक्ष में आदेश दिया, लेकिन मृत नातिन के पति ने इसे चुनौती दी। जॉइंट कलेक्टर ने आरडीओ का फैसला पलट दिया और पति के पक्ष में म्यूटेशन करने का निर्देश दिया। कहा गया कि शुरुआती गिफ्ट डीड रद्द करना कानूनी रूप से वैध नहीं था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा।

ईरान की खुली धमकी... आज रात 8 बजे से अमेरिकी कंपनियों के ठिकानों पर होंगे हमले

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका को लेकर खुली चेतावनी दी है। ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि अगर ईरानी नेताओं पर हमले जारी रहे, तो वह पश्चिम एशिया में अमेरिकी कंपनियों को निशाना बनाएगा। इस बयान से क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है और वैश्विक स्तर पर चिंता गहरा गई है। ईरान ने साफ कहा है कि 1 अप्रैल से तेहरान समय के अनुसार रात 8 बजे के बाद अमेरिकी कंपनियों के ठिकानों पर हमले शुरू किए जा सकते हैं। भारत के समय के अनुसार यह रात 10.30 बजे होगा। ईरान ने कहा है कि हर हमले के बदले इन कंपनियों की यूनिट्स को तबाह किया जाएगा। इसके साथ ही कर्मचारियों को तुरंत अपने कार्यस्थलों से हटने की चेतावनी भी दी गई है। ईरान ने 15 बड़ी अमेरिकी कंपनियों की सूची जारी की है। इसमें माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, एपल, इंटेल, आईबीएम (इंटरनेशनल बिजनेस मशीन), टेस्ला, बोइंग, डेल टेक्नोलॉजीज, हेवलेट पैकार्ड (एचपी), सिस्को, ओरेकल, मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम), जेपी मॉर्गन चेस, जनरल इलेक्ट्रिक और हेवलेट पैकार्ड एंटरप्राइज जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इससे साफ है कि ईरान अब सिर्फ सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहना चाहता। आइए जानते हैं कौन-कौन सी कंपनियां आईआरजीसी के निशाने पर हैं।

दुनिया को राष्ट्रपति ट्रंप की दो टूक चेतावनी

अमेरिका किसी देश की मदद नहीं करेगा, हमसे तेल खरीदो, नहीं तो होर्मुज जाकर ले लो

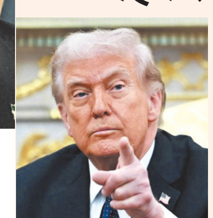

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि अब अमेरिका किसी देश की मदद नहीं करेगा। देशों को खुद ही अपने हालात संभालने होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ब्रिटेन जैसे देश जो होर्मुज स्ट्रेट से फ्यूल नहीं ले पा रहे हैं, उन्हें अमेरिका से तेल खरीदना चाहिए क्योंकि अमेरिका के पास इसकी कोई कमी नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि अगर देश चाहें, तो हिम्मत दिखाएं और खुद होर्मुज स्ट्रेट जाकर तेल ले लें। अमेरिका उनकी मदद के लिए नहीं आएगा, जैसे वे अमेरिका की मदद के लिए नहीं आए। अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि ईरान काफी हद तक कमजोर हो चुका है और सबसे मुश्किल काम पहले ही पूरा हो गया है। अब बाकी देश खुद जाकर अपना तेल ले सकते हैं।

समझौता करो वरना बड़े हमले होंगे: हेगसेथ

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने

बड़ा दावा करते हुए कहा है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है। इस बयान के साथ ही अमेरिका ने साफ कर दिया है कि अब हालात पहले जैसे नहीं हैं। इस्राइल और अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बीच यह बयान ऐसे समय आया है, जब पूरे मध्य पूर्व में तनाव चरम पर पहुंच चुका है और हालात तेजी से बदल रहे हैं। पीट हेगसेथ ने पेंटागन में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि ईरान में अब नया शासन है और उसे पहले से ज्यादा समझदारी दिखानी होगी।

ईरान युद्ध में अमेरिका को अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं करने देगा इटली

ईरान के संघर्ष के बीच अमेरिका को स्पेन के बाद अब इटली से भी झटका लगा है। दरअसल, इटली ने तेहरान के खिलाफ सैन्य अभियानों के लिए अमेरिकी विमानों को सिसिली स्थित उसके एक अहम हवाई अड्डे का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार किया है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में स्पेन के बाद इटली ऐसा सहयोगी देश बना गया है, जिसने अमेरिका को अपनी सैन्य सुविधाओं से वंचित किया है। यूरोपीय संघ (ईयू) ने अब अब तक इस संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल होने की कोई इच्छा नहीं दिखाई है। इससे डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के भीतर भी तनाव पैदा हो गया। इतालवी दैनिक कोरिएरे डेला सेरा की रिपोर्ट के मुताबिक,ट्रंप प्रशासन ने पश्चिम एशिया जाने से पहले सिनोनेला हवाई अड्डे पर कुछ अमेरिकी बमवर्ष विमानों को उतारने की अनुमति मांगी थी।

कांग्रेस नेताओं के उग्रवादियों और माओवादियों से संबंध: रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में नक्सलवाद के मुद्दे पर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और उसके वरिष्ठ नेताओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के कुछ नेताओं के वामपंथी उग्रवादियों और माओवादियों से संबंध रहे हैं।

रिजिजू ने दावा किया कि राहुल गांधी ऐसे तत्वों को जानते हैं और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उनसे संपर्क बनाए रखा था। उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि कांग्रेस एक ओर सार्वजनिक रूप से उग्रवाद के खिलाफ बयान देती है, वहीं दूसरी ओर उसके नेताओं पर ऐसे आरोप सामने आते हैं। उन्होंने सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान कुछ लोग वामपंथी उग्रवादी विचारधारा से जुड़े थे। हालांकि, रिजिजू ने अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि यह मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा है और इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

केरल में अप्रत्यक्ष रूप से वामदलों का समर्थन कर रही है भाजपा: राहुल

कन्नूर, एजेंसी

राहुल गांधी ने केरल के कन्नूर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। उन्होंने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कई मुद्दों को उठाया। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, वहां धर्म और मंदिरों की बात करते हैं, लेकिन केरल आने पर सबरीमाला मुद्दे पर चुप रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ वाम दलों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही और भाजपा अप्रत्यक्ष रूप से उनका समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा कि सीपीआई(एम) अब वामपंथी पार्टी नहीं रह गई, बल्कि अति दक्षिणपंथी बन चुकी है। राहुल ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि केरल में एलडीएफ की जीत हो।

व्यापारिक मुद्दे पर उन्होंने उद्योगपति गौतम अडानी का जिक्र करते हुए कहा कि वे भाजपा की वित्तीय संरचना का आधार हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका में दर्ज मामला केवल अडानी नहीं, बल्कि मोदी सरकार को भी निशाना बना रहा है।

नालंदा मंदिर में भगदड़, 9 की मौत

चैत्र मेले में उमड़ी भीड़ बेकाबू, अव्यवस्था बनी हादसे की वजह

नालंदा, एजेंसी

नालंदा के शीतला माता मंदिर में मंगलवार सुबह भगदड़ मचने से 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 8 महिलाएं शामिल हैं। एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। हादसे में कई श्रद्धालु घायल हुए हैं।

चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार के मौके पर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे और परिसर में मेला लगा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, भीड़ को नियंत्रित करने के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। दर्शन की जल्दी में धक्का-मुक्की बढ़ गई और अफरातफरी के बीच लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। श्रद्धालुओं ने बताया कि मंदिर का गर्भगृह छोटा होने के कारण अंदर अत्यधिक भीड़ हो गई थी। न तो लाइन की व्यवस्था थी और न ही पुलिस की पर्याप्त मौजूदगी। इसी दौरान एक महिला के गिरने से स्थिति और बिगड़ गई और भगदड़ मच गई। घटना के बाद प्रशासन ने मंदिर और मेला बंद करा दिया है। राज्य सरकार ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और संबंधित थाने के साह्र को निलंबित कर दिया गया है। मृतकों के परिजनों को 6 लाख रुपए तथा केंद्र सरकार की ओर से 2 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की गई है। प्रशासनिक लापरवाही को हादसे की बड़ी वजह माना जा रहा है।

बस्तर: 105 हथियार के साथ 33 नक्सलियों का आत्मसमर्पण, सात किलो सोना, 3 करोड़ कैश रिकवर

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर रेंज के चार जिलों में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान कुल 33 कैडर (नक्सलियों) को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने इन अभियानों में भारी मात्रा में हथियार, नकदी और सोना भी बरामद किया है।

बीजापुर जिले में 25 कैडर को पकड़ा गया। यहां से कुल 93 हथियार बरामद हुए, जिनमें चार एके-47 और नौ एसएलआर राइफलें शामिल हैं। बीजापुर में कुल 14.06 करोड़ रुपये की डंप रिकवरी भी हुई है। इसमें 2.90 करोड़ रुपये नकद और 7.2 किलोग्राम सोना शामिल है। बरामद सोने की कीमत 11.16 करोड़ रुपये आंकी गई है। दंतेवाड़ा जिले में पांच कैडर को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से आठ एसएलआर सहित अन्य कई हथियार मिले हैं।

देश की डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था एआई से हो रही और मजबूत : केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

डिजिटल दुनिया में बढ़ते खतरों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्रालय ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां अब सोशल मीडिया और इंटरनेट पर मौजूद डेटा के विश्लेषण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का व्यापक उपयोग कर रही हैं। इससे भारी मात्रा में डेटा का तेजी से विश्लेषण संभव हो रहा है और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। यह जानकारी संसदीय समिति के सामने प्रस्तुत की गई, जिसकी अध्यक्षता सांसद निशिकांत दुबे कर रहे हैं। समिति ने नागरिकों की निजता को लेकर सवाल उठाया था, जिस पर सरकार ने स्पष्ट किया कि केवल खुले स्रोतों से उपलब्ध जानकारी का ही उपयोग किया जाता है और किसी भी व्यक्ति के निजी डेटा का उल्लंघन नहीं होता।

एआई से निगरानी और पहचान हुई आसान

रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसियां चेहरे की पहचान तकनीक, नेटवर्क विश्लेषण और भाषा प्रसंस्करण जैसी तकनीकों का उपयोग कर रही हैं। एंटीटी रिजॉल्यूशन जैसे टूल से अलग-अलग स्रोतों में मौजूद एक ही व्यक्ति की पहचान और उसके नेटवर्क का पता लगाया जा सकता है। इससे संदिग्ध गतिविधियों को तेजी से ट्रैक करना आसान हुआ है और जांच की गति बढ़ी है। एजेंसियां डेटा स्क्रैपिंग तकनीक के जरिए सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो और अन्य सामग्री की निगरानी कर रही हैं। इसका इस्तेमाल डीपफेक, भ्रामक खबरें, सांप्रदायिक सामग्री और कट्टरपंथी नेटवर्क की पहचान के लिए किया जा रहा है।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालयः ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ दुर्ग ■ धमतरी ■ बस्तर ■ कवर्धा ■ कांकेर ■ कोरबा ■ कोरिया ■ जशपुर ■ जांजगीर-चाम्पा ■ मनेंद्रगढ ■ मोहला-मानपुर ■ दन्तेवाड़ा ■ महासमुन्द ■ राजनांदगांव ■ रायगढ़ ■ सरगुजा ■ बलौदाबाजार ■ बालोद ■ मुंगेली ■ बेमेतरा ■ सूरजपुर ■ गरियाबंद ■ सुकमा ■ बलरामपुर

संक्षिप्त समाचार

धमतरी में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर सख्ती- कलेक्टर के निर्देश पर सघन जांच अभियान जारी

विजय मत/धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, उर्वरक एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। पश्चिम एशियाई संकट के चलते उत्पन्न संभावित आपूर्ति स्थिति को देखते हुए अधिकारियों को सतत निगरानी एवं जांच के निर्देश कलेक्टर ने दिए हैं। इसी कड़ी में आज अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पीयूष तिवारी, तहसीलदार धमतरी एवं खाद्य निरीक्षक की टीम ने अर्जुनी चौक स्थित शिव ऑटोमोबाइल फ्यूल का आकस्मिक निरीक्षण किया। जांच के दौरान भौतिक सत्यापन में फर्म में डीजल 108.73 लीटर एवं पेट्रोल 46.19 लीटर अधिक पाया गया। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित फर्म के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की गई। कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी या अनियमितता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

क्रिकेट मैच हेतु व्यवस्थित मैदान एवं पिच निर्माण का खिलाड़ियों के साथ राजेश शर्मा ने लिया जायजा

विजय मत/ धमतरी। शहर सहित क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दृष्टिकोण से 22 मार्च से प्रारंभ हुआ खेल पखवाड़ा में 3 अप्रैल से होने वाले क्रिकेट मैच हेतु जोर-जोर से तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है जिसमें मिशन मैदान में मैदान को व्यवस्थित करने के साथ ही दर्शक ग्राउंड के अंदर न घुस पाये इसलिए चारों तरफ बेरी गेट्स तथा नई पिच का निर्माण भी किया जा रहा है जिससे कि खिलाड़ियों को किसी प्रकार का खेलने में कोई परेशानी ना हो। इस पूरे आयोजन के संरक्षक तथा आयोजन धर्म प्रेमी समाज से भी पंडित राजेश शर्मा ने कहा है शहर की खेल प्रतिभाओं को तरासने के लिए क्रिकेट का आयोजन एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में आने वाले समय में साबित होने वाला है जिसके लिए प्रत्येक सुगम एवं व्यवस्थित सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हम लोग संकल्पबद्ध है। खेल मैदान के निरीक्षण के समय राजेन्द्र शर्मा, योगेश रायचुरा ,रघुवीर बघेल, शुभम इदनाणी विक्की ध्रुवंशी रिंकू रजक पंकज वटी अभिलेश धीवर अनिल पटेल मुकेश बघेल गेवन्द्र साहू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विधायक के प्रयास से अकलतरा विधानसभा क्षेत्र में सड़कों के विकास हेतु 12 करोड़ से अधिक राशि स्वीकृत

विजय मत/अकलतरा। विधानसभाक्षेत्र में सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि सामने आई है। विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप अर्जुनी-रसेड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग 49 चौक से कोटमी सोनार मार्ग के चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य के लिए जिला खनिज न्यास मद से 7 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है ।इसके साथ ही मुख्य मार्ग बोकरेल से घाटादेही सड़क के लिए 4 करोड़ रुपये तथा बलौदा से नवापारा (ब) मार्ग के निर्माण हेतु 93 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस प्रकार कुल मिलाकर लगभग 12 करोड़ रुपये से अधिक की राशि क्षेत्र के सड़क विकास कार्यों के लिए स्वीकृत हुई है ।इन सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी, वहीं ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क भी बेहतर होगा। साथ ही स्थानीय व्यापार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी सुगम होगी। विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आने वाले समय में इन सड़कों के आगे विस्तार के लिए भी लगातार प्रयास किए जाएंगे।

अंबिकापुर सकालो में अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन का पहला ट्रायल प्रारम्भ

विजय मत/अम्बिकापुर। अफ्रीकन स्वाइन फीवर जैसी अत्यंत घातक एवं संक्रामक वायरल बीमारी की रोकथाम के लिए अंबिकापुर के सकालो स्थित शासकीय पिग फार्म में,स्व्न वैक्सीन का ट्रायल प्रारंभ किया गया है। यह ट्रायल National Institute of High Security Animal Diseases (भोपाल) द्वारा विकसित वैक्सीन पर किया जा रहा है। यह परीक्षण पशुपालन विभाग के निर्देशानुसार वैज्ञानिक पद्धति से संचालित किया जा रहा है। इस वैक्सीन के विकास एवं परीक्षण में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वेंकटेश एवं डॉ. सेंथिल कुमार की प्रमुख भूमिका है। वरिष्ठ पशु चिकित्सक, पिग फार्म अंबिकापुर डॉ. सी. के. मिश्रा ने बताया कि विभागीय मार्गदर्शन में ट्रायल का संचालन किया जा रहा है, जिससे भविष्य में इस घातक बीमारी की प्रभावी रोकथाम हेतु ठोस समाधान प्राप्त होने की संभावना है।

सारंगढ़ भाजपा नगर मण्डल दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

प्रशिक्षण सत्र के अंतिम दिवस पर मुख्यवक्ता रामनारायण देवांगन, हरिनाथ खूंटे,कैलाश पंडा, त्रिलोक देवांगन, कमल गर्ग ने दिया संगठन मजबूती का मूलमंत्र

विजय मत/सारंगढ़-बिलाईगढ

सारंगढ जिला भाजपा कार्यालय चंदाई में 17 मार्च से जिले के सभी 12 मंडलो में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान चलाया जा रहा है ।जिसमे प्रशिक्षण प्राप्त सभी भाजपा पदाधिकारियों ने अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए मंडलो में प्रशिक्षण दिया, जिसमे सारंगढ भाजपा नगर मंडल में प्रशिक्षण सत्र के प्रथम सत्र व दूसरे दिन के प्रथम सत्र में बिलाईगढ़ के भाजपा नेता रामनारायण देवांगन,कैलाश पंडा और अनु. जाती मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हरिनाथ खूंटे,जिला प्रभारी कमल गर्ग ने अपने अपने विषयो पर मुखाग्र होकर बहुत ही सरल भाषा मे कार्यकर्ताओ को विस्तार पूर्वक जानकारी दिये ।जिसमें मुख्य विषय रहे शोसल मीडिया,संगठन,वैचारिक परिचर्चा, जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दिये ।दिनांक 30/3/26 को

पार्टी जिला कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मण्डल प्रशिक्षण वर्ग का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। वक्ताओं ने पार्टी के विचारधारा और संगठन पर विशेष जोर देते हुए कार्यकर्ताओं को पार्टी की मूल विचारधारा, संगठन की कार्यप्रणाली एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों से अवगत कराया। साथ ही भाजपा के इतिहास, बूथ सशक्तिकरण एवं आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर गहन चर्चा की गई।

प्रशिक्षण केवल सीखने की प्रक्रिया नहीं बल्कि वैचारिक धार को तेज करने का अनुष्ठान है-कैलाश पण्डा- प. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत सारंगढ विधानसभा के मण्डल सारंगढ एवं बिलाईगढ़ विधानसभा के मण्डल बिलाईगढ़ में बूथ मैनेजमेंट और मन की बात जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। भारतीय जनता पार्टी को विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने का श्रेय इन्हीं प्रशिक्षण अभियानों को जाता है। इन्हीं कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा अपनी विशिष्ट रीति-नीति से करोड़ों ऐसे निष्ठावान कार्यकर्ता तैयार करती है, जो अहर्निश राष्ट्र निर्माण और जनसेवा में समर्पित रहते हैं। कार्यकर्ता ही संगठन की मूल इकाई हैं और पार्टी के विचार ही उनके प्राण तत्व हैं। प्रशिक्षण से प्राप्त यही ऊर्जा हमें बूथ स्तर पर अजेय बनाती है। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से कार्यकर्ताओं को वैचारिक एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाया जाता है, जिससे संगठन जमीनी स्तर पर और मजबूत होता है ।नगर मण्डल से आए कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण सत्रों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया ।तत्पश्चात पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का भाजपा नगर मंडल में कार्यक्रम पूरी तरह सफल रहा जिसका समापन किया गया ।प्रशिक्षण कार्यक्रम की पूरी जानकारी रवि तिवारी जिला भाजपा मीडिया प्रभारी के द्वारा दिया गया।

अग्निवीर भर्ती 2026- युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

जशपुरनगर। भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती 2026 अंतर्गत युवाओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा अग्निवीर भर्ती हेतु 13 फरवरी 2026 से 01 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक अभ्यर्थी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के अनुसार पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम का आयोजन संभावित रूप से 01 जून 2026 से 15 जून 2026 के बीच किया जाएगा। अभ्यर्थियों की तैयारी को मजबूत करने के लिए छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग द्वारा विशेष पहल की गई है।

ग्राम भोलापुर में भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन

■ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं जिला पंचायत अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव

विजय मत/छुरिया

ग्राम भोलापुर में आज परंपरा, आस्था और सामाजिक एकजुटता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती महोत्सव को बड़े हर्षोल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस भव्य आयोजन में जिला पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर उनका स्वागत साहू समाज की महिलाओं ने तिलक, पुष्पमाला और पारंपरिक गीतों के साथ अत्यंत सम्मानपूर्वक किया।

स्वागत समारोह की गरिमा ने पूरे वातावरण को उल्लास और भक्ति से भर दिया। मंच पर कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक छन्नी साहू ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में तहसील साहू समाज अध्यक्ष चुरामन साहू, जनपद पंचायत छुरिया अध्यक्ष संजय सिन्हा, ग्राम के सरपंच चमेली ठाकुर, कुमेश्वरी साहू (उपाध्यक्ष, तहसील साहू समाज) तथा समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी—बालकिशन साहू, भुनेश्वर साहू, कविता साहू, शिशुपाल साहू, जागेश साहू, खिलेन्द्र साहू, हुकुम साहू, उमेश साहू, सोहन साहू, कुमार साहू, ललित साहू, पंचराम साहू, विरेन्द्र साहू नैनसिह पटेल सहित समाज के पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि व ग्रामवासी उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा कि मां कर्मा समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने सामाजिक एकता, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा को समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बताया।

उन्होंने ग्राम भोलापुर के आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को जोड़ते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत सांस्कृतिक संदेश छोड़ते हैं। साथ ही कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथियो द्वारा संबोधित किया गया। उक्त कार्यक्रम को साहू समाज के पदाधिकारियों व ग्रामवासियों की भारी उपस्थिति, उत्साह और भक्ति ने पूरे कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया।

विष्णु के सुशासन में गांवों का हो रहा चहुंमुखी विकास : जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा

50 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों हेतु रखी नींव

विजय मत/छुरिया

विकासखंड के ग्राम पंचायत गेरुघाट, किडकाड़ीटोला, मोरकुटंब, पांडेटोला में ग्रामीणों की मांग को दृष्टिगत रखते हुए जनपद अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने स्कूल शिक्षा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिक्षा से जुड़े मूलभूत विभिन्न निर्माण कार्यों की स्वीकृति दिलाई है । उपरोक्त निर्माण कार्य को शुरू करने से पहले सिन्हा ने भूमिपूजन किया,इस अवसर पर मुख्यरूप से उभे राम मंडावी जनपद सदस्य,ललेश्वरी धावड़े सरपंच गेरूघाट मौजूद रहे । एक संक्षिप्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि मेरे जनपद क्षेत्र के ग्राम मंगिया टोला में आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु 11.89 ग्यारह लाख,पूर्व माध्यमिक शाला भवन निर्माण हेतु 11.48 लाख,किडकाड़ीटोला में आंगनवाड़ी भवन हेतु 11.89 लाख, पांडेटोला मे पूर्व माध्यमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 11.48 लाख रुपए स्वीकृति होने के पश्चात भूमिपूजन संपन्न हुवा है,आज हम सबके के लिए शुभ अवसर है,हम सभी के लिए गर्व और खुशी का क्षण है। आंगनबाड़ी भवन और स्कूल भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन केवल एक निर्माण की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह हमारे गांव के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने का दिन है। आंगनबाड़ी केंद्र हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए पहला शिक्षा और संस्कार का स्थान होता है। यहीं से बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास की शुरुआत होती है। जब एक सशक्त और सुरक्षित आंगनबाड़ी भवन बनेगा, तो हमारे बच्चों को बेहतर पोषण, शिक्षा और देखभाल मिल सकेगी। इसी प्रकार, स्कूल भवन का निर्माण हमारे बच्चों के सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एक अच्छा स्कूल भवन न केवल पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण देता है, बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। यहां से निकलकर हमारे बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और अधिकारी बनकर देश और समाज का नाम रोशन करेंगे।

विद्युत दुर्घटना में मृत ईश्वर साहू के उत्तराधिकारी को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि कलेक्टर मिश्रा ने किया चेक प्रदान

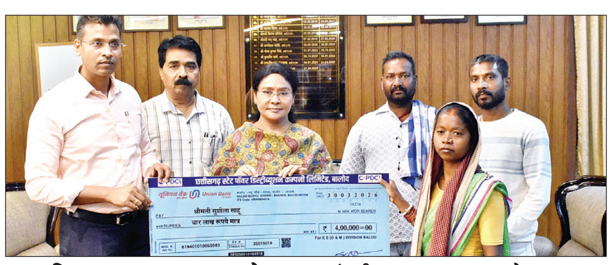

विजय मत/ बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय स्थित अपने कक्ष में विद्युत दुर्घटना में मृत ईश्वर साहू के उत्तराधिकारी सुशीला बाई को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि 17 जून 2025 को ग्राम जेवरतला के वितरण केंद्र पलारी में विद्युत दुर्घटना में ईश्वर साहू की मृत्यु हो गई थी।

इस दुखद घटना पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गहरा खेद व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार और विद्युत वितरण कंपनी के नियमों के तहत, मृतक के उत्तराधिकारी को आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है।

इसी क्रम में डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम जेवतरला के मृतक ईश्वर साहू की उत्तराधिकारी उनकी माता सुशीला बाई को 04 लाख रूपये, चेक के माध्यम से प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी एवं मृतक के परिजन उपस्थित थे।

स्वच्छ धरा वेलफेयर द्वारा 161वॉं स्वच्छता, पर्यावरण, जल संरक्षण जागरूकता अभियान चला

विजय मत/बालोद

हरा भरा,स्वच्छ धरा के उद्देश्य को लेकर स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ की टीम द्वारा परम पूज्य गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख एवं संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेल के मार्गदर्शन में लगातार 161 वें सप्ताह में सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिला, बलरामपुर जिला, अम्बिकापुर,बिलासपुर संभाग में बैनर, पोस्टर,नारे, कविता के माध्यम से स्वच्छता,जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति जागरूकता अभियान सुचारू रूप से चलाया गया ।इस अभियान में गैंद लाल देशमुख,अनवेश देशमुख, टीनल, थनेश्वरी हरदेल सभी का भरपूर सहयोग रहा ।ये अभियान तृप्ता कश्यप, देबू कश्यप के सहयोग के द्वारा ही संभव हो पाया, इसके लिए स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ के संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेल एवं स्वच्छ धरा वेलफेयर की

पूरी टीम तहे दिल शुक्रिया अदा करती है। अंबिकापुर बस स्टैंड में सभी दुकानदार अपने अपने दुकान के सामने बराबर डस्टबिन रखे हुए हैं फिर भी जनता गुटखा पाउच, पानी बोतल, खाद्य पदार्थ रेपर आदि को डस्टबिन के आसपास फेंक दिए थे जिसे समिति के सदस्यों एवं दुकानदार द्वारा उठाकर डस्टबिन में डाल दिया गया एवं आसपास के लोगों से कचरा डस्टबिन में सही तरीके से डालने एवं स्वच्छता बनाए रखने के लिए निवेदन किया। ऐसे ही सरगुजा संभाग, बिलासपुर संभाग के सभी प्रतिष्ठानों एवं पानठेले से लेकर बड़े बड़े रिसोर्ट, होटलों में डस्टबिन रखे हुए हैं जिसका इस्तेमाल आम नागरिक सही तरीके से नहीं कर रहे हैं। इस समाचार के माध्यम से हम आप सभी आवाम से निवेदन करते हैं कचरे को डस्टबिन में सही तरीके से डालें ।सहयोगी गैंद लाल देशमुख ने स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ के कार्यों से प्रभावित होकर इस अभियान में सहयोग करते कहा कि अपने-अपने जीवन काल में स्वच्छता सभी लोगों को अपनाना चाहिए क्योंकि स्वच्छता में ही ईश्वर का वास होता है। जागो और जगाओ, स्वच्छता अपनाओ। जल संरक्षण पर भी हमें ध्यान देना चाहिए क्योंकि जल है,तो बल है।

सहयोगी अनवेश देशमुख ने कहा कि स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति स्वयं स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नशामुक्ति के लिए कार्य कर सभी समाज,वर्ग के लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का कार्य कर रही है ।आप सभी इस पर जरूर अमल करें और अपने अपने आसपास स्वच्छता ,जल संरक्षण, नशामुक्ति,पर्यावरण संरक्षण का कार्य कर और लोगों को जागरूक करने का कार्य करें।

स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति, छत्तीसगढ़ के इस जागरूकता अभियान की जितनी सराहना की जाय उतना कम ही होगा। जागो और जगाओ,स्वच्छता अपनाओ। पौधे लगाकर पेड़ बनाओ, जीवन में खुशियाँ बरसाओ। इस अभियान में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती थनेश्वरी हरदेल, गैंद लाल देशमुख,अनवेश देशमुख,टीनल हरदेल एवं आसपास पटेल समाज के लोग शामिल हुए।

जिला स्तरीय जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को लेकर अधिकारियों को दी गई विस्तृत जानकारी

विजय मत/बेमेतरा

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों तथा अंतर्विभागीय जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों के लिए जिला स्तरीय जागरूकता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य 'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' के संकल्प को प्रभावी रूप से लागू करना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बाल विवाह की रोकथाम से संबंधित विभिन्न कानूनी, सामाजिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों को बताया गया कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए विभागों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है तथा ग्राम स्तर तक निगरानी तंत्र को मजबूत करना होगा।

कानूनी प्रावधानों की दी गई जानकारी- प्रशिक्षण में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 (क्ष्ट्रू 2006) के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। बताया गया कि लड़कियों के लिए 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए 21 वर्ष से कम आयु में विवाह करना पूर्णत: अवैध है। यदि दोनों में से किसी एक की

आयु निर्धारित सीमा से कम है तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है और यह कानूनन दंडनीय अपराध है ।**अपराध की गंभीरता पर विशेष जोर-** अधिकारियों को बताया गया कि बाल विवाह करना, करवाना या उसमें किसी भी प्रकार से सहयोग करना अपराध की श्रेणी में आता है। विवाह का कार्ड छापना, टेंट लगाना, भोजन बनाना या किसी भी प्रकार की सेवा देना भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आता है। प्रशिक्षण में सभी अधिकारियों को इस विषय में सतर्कता बरतने और समय रहते कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत, सेक्टर और ब्लॉक स्तर पर नियुक्त बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों के कार्य, अधिकार तथा उनकी जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया भी समझाई गई। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय स्तर पर 'बाल विवाह मुक्त' निगरानी समितियों के गठन पर विशेष चर्चा की गई। अक्षय तृतीया जैसे अवसरों पर विशेष सतर्कता रखने और सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि बाल विवाह की घटनाओं को पहले ही रोका जा सके ।प्रतिभागियों को बताया गया कि बाल विवाह से बालिकाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, शिक्षा बाधित होती है तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में वृद्धि की संभावना रहती है। इसके साथ ही बच्चों के अधिकारों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

चाइल्ड हेल्पलाइन का उपयोग करने की अपील- प्रशिक्षण में अधिकारियों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी देते हुए बताया गया कि बाल विवाह की सूचना मिलने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1098 पर जानकारी दी जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है।

सार समाचार

बीएसएनएल के सीम की सुविधा अब डाकघरों में भी

विजय मत/रायपुर। इंडियन पोस्ट के अंतर्गत रायपुर के मुख्य डाकघर रायपुर में भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की सेवाओं उदघाटन किया गया।अब रायपुर जीपीओ में डाक सेवाओं के साथ-साथ बीएसएनएल के सिम कार्ड भी उपलब्ध रहेंगे।इस सेवा के माध्यम से नागरिकों को बीएसएनएल के नए प्रीपेड सिम कार्ड, एवं बीएसएनएल मोबाइल सिम रिचार्ज जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह पहल भारत सरकार के डिजिटल इंडिया मिशन को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें डाक विभाग एवं बीएसएनएल मिलकर देश के हर नागरिक तक संचार सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करेंगे।रायपुर जीपीओ में बीएसएनएल सिम से संबंधित सुविधाएं मिलने से नागरिकों को बेहतर, सुलभ एवं एकीकृत सेवाएं प्राप्त होंगी, जिससे जनसुविधा एवं डिजिटल सशक्तिकरण को नई गति मिलेगी। इस सुविधा का शुभारंभ माननीय निदेशक डाक सेवाएं छत्तीसगढ़ परिमंडल दिनेश कुमार मिस्त्री के द्वारा किया गया। इस अवसर पर बी एस एन एल रायपुर के डीजीएम वाई पी सिंह, एवं एजीएम मिलिंद उपासनी एवं प्रवर अधीक्षक डाकघर एच.के.महावर तथा डाक विभाग व बीएसएनएल के अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल से रेडियो संगवारी टीम ने की सौजन्य मुलाकात

विजय मत/रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में रेडियो संगवारी की टीम ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान टीम ने रेडियो संगवारी की परिकल्पना, उद्देश्यों तथा आगामी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम के संस्थापक श्री राहुल शर्मा ने बताया कि रेडियो संगवारी टीम द्वारा प्रदेश की समृद्ध लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। राज्यपाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है और ऐसे प्रयास इसे संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने रेडियो संगवारी टीम को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया। इस अवसर पर रेडियो संगवारी टीम के डॉ. हेमंत सिरमौर, सुश्री श्रीया सिरमौर, श्री शिवनंदन सरोज, तिलका साहू सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार के बोनट से बैटरी चोरी, इलाके में मचा हड़कंप

विजय मत/रायपुर। शहर के कोतवाली थाना इलाके में चोरों ने कार का शिशा तोड़कर बोनट से बैटरी चोरी कर लीं. इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आने से स्थानीयों में हड़कंप मच गया है. मामले में पुलिस से शिकायत की गई है. जानकारी के मुताबिक, गौरव पथ क्षेत्र में सोमवार रात अज्ञात आरोपियों ने घर के बाहर खड़ी कार का शीशा तोड़ा और बोनट से बैटरी चोरी ली. वाहन मालिक ने आज सुबह जब अपनी गाड़ी देखी तो कार क्षतिग्रस्त हालत में मिली। कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई. बताया गया कि इससे पहले भी इलाके में चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं. कांग्रेस के दिवंगत नेता रूपेश ठाकुर और एक अन्य व्यक्ति की कार का शिशा तोड़कर बैटरी चोरी की गई थी. लगातार हो रही घटनाएं से इलाके में दहशत है।

धरसींवा में आधुनिक तहसील कार्यालय का लोकार्पण: 66.20 लाख की लागत से बना सर्वसुविधायुक्त भवन, राजस्व सेवाओं में आएगी तेजी और पारदर्शिता

सुगम, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में बड़ा कदम: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

धरसींवा में आधुनिक तहसील कार्यालय का लोकार्पण: सुगम, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में बड़ा कदम- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

विजय मत, रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर जिले के धरसींवा में नवनिर्मित तहसील कार्यालय का लोकार्पण किया। यह पहल प्रशासनिक सेवाओं को आमजन के और अधिक निकट, सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन का मूल उद्देश्य यही है कि नागरिकों को उनकी जरूरत की सेवाएं समय पर, सरल और पारदर्शी तरीके से मिलें। धरसींवा का यह नया तहसील कार्यालय इसी संकल्प को साकार करता है। उन्होंने कहा कि इस भवन के शुरू होने से क्षेत्र के नागरिकों को राजस्व संबंधी कार्यों में अब अधिक सुविधा और तेजी मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करते हुए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हर नागरिक को बिना किसी अनावश्यक परेशानी के बेहतर प्रशासनिक सुविधा उपलब्ध हो।

नवनिर्मित तहसील कार्यालय में नायब नाजिर कक्ष, रिकॉर्ड रूम, माल जमार, नकल शाखा, कानूनगो कक्ष, भुइयां एवं भू-अभिलेख शाखा जैसी आवश्यक इकाइयों के साथ-साथ लोक सेवा केंद्र और आधार केंद्र की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ पेयजल सहित अन्य बुनियादी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

उल्लेखनीय है कि इस आधुनिक तहसील कार्यालय का निर्माण 66.20 लाख रुपये की लागत से किया गया है, जो क्षेत्र के प्रशासनिक ढांचे को मजबूती प्रदान करेगा और सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, संभागायुक्त महादेव कावरे, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

संवेदनशील नेतृत्व की मिसाल..मुख्यमंत्री साय ने दिव्यांग चंदूलाल की सुनी पुकार, मिनटों में मिला समाधान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संवेदनशील और जनहितकारी शासन की एक भावुक झलक चंदखुरी में देखने को मिली, जब उन्होंने एक दिव्यांग ग्रामीण की समस्या को न केवल सुना, बल्कि मौके पर ही उसका समाधान सुनिश्चित कर मानवता और उत्तरदायी नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया। चंदखुरी निवासी दिव्यांग श्री चंदूलाल वर्मा के लिए यह दिन जीवन का अविस्मरणीय क्षण बन गया। वे मुख्यमंत्री से मिलने की आशा लेकर कायस्थ मंगल भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्ति के बाद जब वे मुख्यमंत्री से मिलने के लिए आगे बढ़े, तो सुरक्षा कारणों से उन्हें रोक दिया गया। इसी दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की नजर उन पर पड़ी। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षाकर्मियों को निर्देश दिया कि श्री वर्मा को मंच पर बुलाया जाए। यह एक छोटा-सा निर्णय था, लेकिन चंदूलाल के जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से मिलते ही चंदूलाल ने अपनी व्यथा साझा की। उन्होंने बताया कि वे पहले राजमिस्त्री का कार्य करते थे, लेकिन शुगर की बीमारी और डायबिटिक फुट के कारण उनके पैरों में गंभीर समस्या हो गई, जिससे चलना-फिरना कठिन हो गया। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे अब कोई कार्य नहीं कर पा रहे हैं और उन्हें बैटरी संचालित ट्राईसिकल की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अत्यंत संवेदनशीलता के साथ उनकी पूरी बात सुनी और तत्काल सहायता राशि प्रदान करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि उन्हें शीघ्र मोटराइज्ड ट्राईसिकल उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देशों का त्वरित पालन सुनिश्चित किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष श्री प्रतीक बैस ने तत्काल प्रक्रिया पूर्ण कर चंदूलाल वर्मा को मोटराइज्ड ट्राईसिकल उपलब्ध कराया। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए चंदूलाल भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि मैंने सोचा भी नहीं था कि मुख्यमंत्री मुझसे मिलेंगे और मेरी समस्या का इतना जल्दी समाधान हो जाएगा।

शिक्षा की बदौलत पहाड़ी कोरवा युवती राजकुमारी बनीं बदलाव की मिसाल

विजय मत, रायपुर

वनांचल क्षेत्र की कठिन परिस्थितियों से निकलकर शिक्षा के बल पर नई पहचान बनाने वाली कोरबा जिले के ग्राम कदमझेरिया की पहाड़ी कोरवा युवती राजकुमारी आज अपने समुदाय के लिए प्रेरणा बन गई हैं। विकासखंड कोरबा के ग्राम पंचायत गढ़उपरोड़ा की रहने वाली राजकुमारी विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की हैं, जहां आज भी शिक्षा की पहुंच सीमित है।

राजकुमारी का बचपन अभावों में बीता। परिवार के साथ मजदूरी करना और जंगलों से वनोपज इक्ा कर जीवनयापन, उनकी दिनचर्या थी। आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि एक वक्त का भोजन जुटाना भी चुनौती था। घास-फूस के कच्चे घर में रहने वाली राजकुमारी के सामने पढ़ाई जारी रखना आसान नहीं था। परिवार ने 5वीं के बाद आगे पढ़ाई के लिए दूसरे गांव भेजने से मना कर दिया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। शिक्षा को ही जीवन बदलने का माध्यम मानते हुए उन्होंने दृढ़ निश्चय किया और सतरेंगा के आदिवासी कन्या आश्रम में प्रवेश लेकर पढ़ाई जारी रखी। 8वीं तक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने घर पर रहकर स्वाध्यायी विद्यार्थी के रूप में 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं।

इस दौरान सामाजिक ताने भी उनके सामने बड़ी चुनौती थे- लड़कियों को ज्यादा पढ? की जरूरत नहीं और अधिक पढ़ाई से नुकसान होता है जैसी बातें उनके हौसले को डिगाने की कोशिश करती रहीं। लेकिन राजकुमारी का लक्ष्य स्पष्ट था-मुख्यधारा से जुड़कर अपने समुदाय के लिए बदलाव लाना। उनकी लगन और योग्यता को देखते हुए आदिवासी विकास विभाग द्वारा उन्हें कंप्यूटर कोर्स कराया गया।

इसके बाद जिला प्रशासन कोरबा के विशेष भर्ती अभियान के तहत 1 जनवरी 2022 को उन्हें तहसील कार्यालय पोंड़ी-उपरोड़ा में सहायक ग्रेड-03 के पद पर नियुक्ति मिली।

फाफाडीह अग्निकांड: कलेक्टर सिंह आधी रात पहुंचे घटनास्थल का लिया जायजा, राहत एवं नियंत्रण के दिए निर्देश

विजय मत, रायपुर

राजधानी रायपुर के फाफाडीह क्षेत्र गली नंबर 4 इलेक्ट्रॉनिक सामान के गोदाम में लगी आग की घटना के बाद कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रात 12:00 घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया उल्लेखनीय है कि आग लगने के पश्चात फायर ब्रिगेड एवं जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने एवं राहत कार्य में जुट गई थी और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को आग पर शीघ्र नियंत्रण एवं राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की जनहानि को रोकने हेतु सतर्कता बरतने के लिए कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन एवं एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भाठागांव में शराब दुकान के खिलाफ गुलाब वाला घेराव, शराबियों को गुलाब भेंट कर किया निवेदन

विजय मत, रायपुर

रायपुर दक्षिण विधानसभा के भाठागांव क्षेत्र में संचालित देशी-विदेशी शराब दुकानों और अहातों के खिलाफ आज जन-आक्रोश फूट पड़ा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में सैकड़ों क्षेत्रीय नागरिकों और कांग्रेस कार्यकताओं ने शराब दुकान का घेराव किया। प्रदर्शन का अनोखा पहलू यह रहा कि प्रदर्शनकारियों ने शराब खरीदने आए लोगों को गुलाब का फूल भेंट कर गांधीवादी तरीके से शराब न खरीदने और नशा छोडने का विनम्र निवेदन किया।

कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि भाठागांव बस्ती में स्वामी आत्मानंद स्कूल और वालफोर्ट सिटी जैसे रिहायशी इलाकों के पास शराब दुकानें खोलकर जनता की सुरक्षा को ताक पर रख दिया गया है। उन्होंने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सोनकर पारा, आनंद नगर, ब्रह्मदेव कॉलोनी और बीएसयूपी जैसे क्षेत्रों की महिलाओं का घर से निकलना दूभर हो गया है। रिंग रोड और सर्विस रोड पर शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है, जिससे छेड़छाड़, ट्रैफिक जाम, लूट, सड़क दुर्घटना और चाकूबाजी जैसी आपराधिक घटनाएं आम हो गई हैं। नीति और नीयत में विरोधाभास साफ नजर आ रहा है। प्रदर्शन के दौरान विनोद ठाकुर, मनोज सोनकर, मो. आसिफ, सुरेश बाफना, शरद गुप्ता, ऋषि देवांगन, राजेश त्रिवेदी, मो. सिद्धिक, प्रवीण जैन, नरेंद्र ठाकुर, राजेंद्र जैन, श्रीमती गंगा यादव, श्रीमती ममता राय, श्रीमती प्रीति सोनी, जयश्री बरेलिया, प्रेरणा साहू, बानो खान, शैलकांता, मनीष देवांगन, तबस्सुम बानो, पूनम यादव, निशा शर्मा, मोहम्मद सिद्दीक, मुनेश गौतम, अनिल सेन, महावीर देवांगन, रवि शर्मा, मनोज सोनकर, स्वाति साहू, मनीष देवांगन, राजेश यदु, सुनील ध्रुव, शुभम बख्शी, रंजीत कुमार, देवेंद्र पवार, खेम सोनकर, करण राज, अविनाश साहू, शंकर सेन, मुकुंद कागदेलवार, राजेश केडिया, मनोज पाल, दुष्यंत साहू, प्रतीक तिवारी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति और युवा साथी शामिल थे।

केआईटीजी 2026 (सातवां दिन राउंडअप)

झारखंड के शिव कुमार और पृथ्वी उरांव सबसे तेज धावक; छत्तीसगढ़ के सिद्धार्थ नागेश ने शॉट पुट में स्वर्ण, डिस्कस थ्रो में रजत जीता

लक्षद्वीप के अब्दुल फताह 7 मीटर की दूरी पार कर स्वर्ण जीतने वाले पहले लंबी कूद खिलाड़ी बने

विजय मत, रायपुर

झारखंड के शिव कुमार और पृथ्वी उरांव सबसे तेज धावक; छत्तीसगढ़ के सिद्धार्थ नागेश ने शॉट पुट में स्वर्ण, डिस्कस थ्रो में रजत जीता झारखंड के शिव कुमार सोरेन और पृथ्वी उरांव ने मंगलवार को जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर मैदान में आयोजित किए जा रहे पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में सबसे तेज धावक बनने का गौरव हासिल किया।

वहीं, मेजबान छत्तीसगढ़ के सिद्धार्थ नागेश ने शॉट पुट में स्वर्ण और डिस्कस थ्रो में रजत पदक जीता, जबकि तिलक बारसेट ने पुरुष 100 मीटर में रजत पदक अपने नाम किया। झारखंड के शिव कुमार और पृथ्वी उरांव सबसे तेज धावक; छत्तीसगढ़ के सिद्धार्थ नागेश ने शॉट पुट में स्वर्ण, डिस्कस थ्रो में रजत जीता शिव कुमार और पृथ्वी ने अपनी-अपनी 100 मीटर दौड़ की शुरूआत से अंत तक बढ़त बनाए रखते हुए अपने राज्य के लिए स्वर्ण पदक जीते। शिव कुमार ने 10.58 सेकंड का समय लिया, जबकि बारसेट ने 10.87 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया। ओडिशा के अतिश किंडो (10.91 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता।

महिला 100 मीटर फाइनल में 16 वर्षीय पृथ्वी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12.73 सेकंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। नागालैंड की रुडुओल्हौनुओ बेल्हो (12.90 सेकंड) और झारखंड की पुतुल बक्शी (13.03 सेकंड) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। पृथ्वी ने दौड़ के बाद कहा, मैं पदक जीतने को लेकर आश्वस्त थी क्योंकि मैंने चयन ट्रायल्स में अच्छा प्रदर्शन किया था। आज मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान दिया और खुशी है कि मैंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय बनाया। मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए सिद्धार्थ नागेश ने दिन की शुरूआत पुरुष डिस्कस थ्रो में 35.56 मीटर के साथ रजत पदक जीतकर की। गुजरात के दानिश मकवाना (44.83 मीटर) ने स्वर्ण, जबकि ओडिशा के चंद्राय मुर्मू (33.97 मीटर) ने कांस्य पदक जीता।

शाम के सत्र में सिद्धार्थ ने एक कदम आगे बढ़ते हुए 13.52 मीटर के थ्रो के साथ शॉट पुट में स्वर्ण पदक हासिल किया। दानिश मकवाना (13.04 मीटर) को रजत मिला। मेजबान छत्तीसगढ़ ने महिला फुटबॉल के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश को पेनल्टी शूटआउट में हराकर फाइनल में जगह बनाई।

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव पर निकली शोभायात्रा, अहिंसा, सत्य और करुणा का संदेश दिया संदेश

विजय मत, रायपुर

राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है. शहर में पूर्व मंत्री राजेश मूणत के मार्गदर्शन में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा, सत्य और करुणा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया.

यह शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए दादाबाड़ी तीर्थ पहुंची. जहां सुबह 10 बजे से भगवान महावीर पंचकल्याणक पूजा, महा रक्तदान शिविर और साधर्मिक वात्सल्य जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इसके बाद पारंपरिक तरीके से वरघोड़ा वापसी निकाली गई, जिसमें समाजजनों की भारी उपस्थिति देखने को मिली और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा.

महोत्सव समिति, समता युवा संघ और अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग से हुए इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया.

महोत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रेश शाह ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला निरंतर आयोजित की गई. छग दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कांवड़िया ने कहा कि भगवान महावीर का यह 2625वां जन्मदिवस है. हर वर्ष भव्यता के साथ इस महोत्सव का आयोजन किया जाता है. रायपुर में यह महोत्सव 15 दिनों तक मनाया जाता है, जिसमें बच्चों के लिए क्विज प्रतियोगिता सहित विभिन्न आयोजन किए जाते हैं.

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल बनेगी।

सूचना
सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हमारे हनुमान जी

संजय गोस्वामी

ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी।' अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये।

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया।अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, 'आपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।' ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी।' अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों । पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।

सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में

उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारूति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्हांने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबरे यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे।

देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, 'तुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी पड़ेगा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।' बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नाम''राक्षसान्तक'' भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेढ़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) - साभार

मूर्ख दिवसः हमारा मजाक न बने किसी की पीड़ा का कारण

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं।मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं।कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

जीवन अपने आप में एक अनवरत प्रवाह है

कांतिलाल मांडोत

मनुष्य को प्रकृति ने विवेक और बुद्धि का अद्भुत वरदान दिया है। यही कारण है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी समाधान खोज सकता है। यदि वह चाहे तो दुःख को भी सीख में बदल सकता है और पीड़ा को प्रेरणा में परिवर्तित कर सकता है। जिस प्रकार गंदगी से ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है और अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएँ बनाई जा सकती हैं, उसी प्रकार मनुष्य अपने जीवन के दुःखों को भी सकारात्मक दिशा दे सकता है। यह सब उसकी सोच और दृष्टिकोण पर निर्भर करता है।दुःख का मूल कारण बाहर नहीं, बल्कि भीतर छिपा होता है। जब मनुष्य अपने कर्तव्यों से विमुख हो जाता है, जब वह असावधानी और प्रमाद में जीने लगता है, तब वह स्वयं अपने दुःखों का कारण बनता है। प्रमाद का अर्थ है, वास्तविकता को न समझना, गलत को सही मान लेना और अपने विवेक का उपयोग न करना।

जीवन अपने आप में एक अनवरत प्रवाह है, जिसमें सुख और दुःख दोनों ही साथ-साथ चलते हैं। जैसे दिन और रात का क्रम कभी रुकता नहीं, उसी प्रकार जीवन में प्रसन्नता और पीड़ा का आना-जाना भी स्वाभाविक है। मनुष्य सामान्यतः सुख की इच्छा करता है और दुःख से बचना चाहता है, परंतु यह सत्य है कि दुःख भी जीवन का अभिन्न अंग है। यदि हम केवल सुख की अपेक्षा करें और दुःख आने पर विचलित हो जाएँ, तो हम जीवन के वास्तविक स्वरूप को समझ ही नहीं पाते। जीवन का सौंदर्य इसी में है कि हम हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखें और मुस्कराते हुए आगे बढ़ते रहें।

मनुष्य को प्रकृति ने विवेक और बुद्धि का अद्भुत वरदान दिया है। यही कारण है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी समाधान खोज सकता है। यदि वह चाहे तो दुःख को भी सीख में बदल सकता है और पीड़ा को प्रेरणा में परिवर्तित कर सकता है। जिस प्रकार गंदगी से ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है और अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएँ बनाई जा सकती हैं, उसी प्रकार मनुष्य अपने जीवन के दुःखों को भी सकारात्मक दिशा दे सकता है। यह सब उसकी सोच और दृष्टिकोण पर निर्भर करता है।दुःख का मूल कारण बाहर नहीं, बल्कि भीतर छिपा होता है। जब मनुष्य अपने कर्तव्यों से विमुख हो जाता है, जब वह असावधानी और प्रमाद में जीने लगता है, तब वह स्वयं अपने दुःखों का कारण बनता है। प्रमाद का अर्थ है, वास्तविकता को न समझना, गलत को सही मान लेना और अपने विवेक का उपयोग न करना। जब हम अपने भीतर के इस प्रमाद को पहचान लेते हैं और उससे ऊपर उठने का प्रयास करते हैं, तब हम अपने जीवन को नई दिशा दे सकते हैं। यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि रोना या विलाप करना किसी समस्या का समाधान नहीं है। दुःख आने पर यदि हम निराश होकर बैठ जाएँ, तो हम स्वयं को और अधिक कमजोर बना लेते हैं। इसके विपरीत यदि हम धैर्य और साहस के साथ परिस्थितियों का सामना करें, तो वही

दुःख हमारे लिए शक्ति का स्रोत बन सकता है। जो व्यक्ति कठिनाइयों में भी मुस्कराना सीख लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन का आनंद उठा पाता है।

इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जिन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और समता का परिचय दिया। उन्होंने अपने दुःखों को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, बल्कि उन्हें आत्मविकास का माध्यम बनाया। यही कारण है कि वे आज भी आदर्श के रूप में स्मरण किए जाते हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि दुःख स्थायी नहीं होते, वे भी समय के साथ समाप्त हो जाते हैं। इसलिए हमें उनसे घबराने के बजाय उनका सामना करना चाहिए।जीवन में असफलता और कठिनाई का आना भी उतना ही आवश्यक है जितना सफलता का। यदि जीवन में केवल सुख ही सुख हो, तो उसका कोई विशेष महत्व नहीं रह जाता। दुःख ही वह भूमि है, जहाँ से सुख के पुष्प खिलते हैं। जैसे कीचड़ में कमल खिलता है, उसी प्रकार दुःख की परिस्थितियाँ ही हमें मजबूत बनाती हैं और सफलता का वास्तविक मूल्य समझाती हैं। इसलिए हमें दुःख को शत्रु नहीं, बल्कि मित्र की तरह स्वीकार करना चाहिए, जो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।समत्व भाव का अर्थ है, हर परिस्थिति में संतुलित रहना। जब हम सुख में अत्यधिक उत्साहित नहीं होते और दुःख में अत्यधिक विचलित नहीं होते, तब हम समत्व की अवस्था में पहुँचते हैं। यह अवस्था हमें आंतरिक शांति प्रदान करती है और हमें स्थिर बनाती है। समत्व का अभ्यास करने से हम जीवन के उतार-चढ़ाव को सहजता से स्वीकार कर पाते हैं।दृष्टिकोण का परिवर्तन भी जीवन को बदल सकता है। जब हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाते हैं, तो वही परिस्थितियाँ, जो पहले हमें दुःखद लगती थीं, अब हमें अवसर के रूप में दिखाई देने लगती हैं। यदि हम हर घटना में कुछ अच्छा खोजने का प्रयास करें, तो हमें जीवन में निराशा का अनुभव नहीं होगा। यह दृष्टि हमें भीतर से मजबूत बनाती है और हमें आत्मविश्वास से भर देती है।एक प्रेरणादायक तथ्य यह भी है कि समय हर घाव को भर देता है। चाहे दुःख कितना भी बड़ा क्यों न हो, समय के साथ उसकी तीव्रता कम हो जाती है। यदि हम धैर्य बनाए रखें और अपने मन को सकारात्मक कार्यों में लगाएँ, तो हम धीरे-धीरे उस दुःख से बाहर निकल सकते हैं। इसलिए कठिन समय में धैर्य रखना अत्यंत आवश्यक है।जीवन का वास्तविक आनंद तभी प्राप्त होता है, जब हम उसे पूरे उत्साह और सकारात्मकता के साथ जीते हैं।

यदि हम हर छोटी-बड़ी बात पर निराश हो जाएँ, तो हम जीवन की सुंदरता को महसूस ही नहीं कर पाएँगे। इसके विपरीत यदि हम हर परिस्थिति में मुस्कराने का प्रयास करें, तो जीवन हमें अधिक सरल और सुखद प्रतीत होगा।अंततः यही कहा जा सकता है कि दुःख और सुख दोनों ही जीवन के शिक्षक हैं। दुःख हमें सहनशीलता, धैर्य और आत्मबल सिखाता है, जबकि सुख हमें संतोष और प्रसन्नता का अनुभव कराता है। यदि हम दोनों को समान भाव से स्वीकार कर लें, तो हम जीवन के वास्तविक आनंद को प्राप्त कर सकते हैं। मुस्कराना केवल एक भाव नहीं, बल्कि एक कला है, जिसे अपनाकर हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।इसलिए आवश्यक है कि हम हर परिस्थिति में मुस्कराना सीखें, अपने मनोबल को मजबूत रखें और जीवन के हर अनुभव को सीख के रूप में स्वीकार करें। (यह लेखक के निजी विचार हैं)-

शब्द पहेली - 8683

1		2	3	■	4	5		6
	■	7		8			■	
9	10	■	■		■	■	11	
■		■	12		13	■		■
14				■	15			
■		■	16	17		■		■
18		■	■		■	■	19	20
	■	21	22		23	24	■	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8682 का हल

■	त	ल	ब	■	ट	म	ट	म
प	■	■	द	स्त	क	■	■	हा
र	■	ना	नी	■	ला	श	■	ज
ख	ल	ना	य	क	■	व	त	न
■	ल	■	त	■	ना	■	री	■
म	ना	ही	■	ह	क	ब	का	ना
हा	■	ना	क	■	क	ल	■	यि
व	■	■	स	पा	ट	■	■	का
त	व	वा	र	■	ना	ह	क	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.36 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	08.16 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.14 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.44 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.56 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.06 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.21 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.37 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मकर	01.42 बजे से
		कुंभ	03.29 बजे से
		मीन	05.01 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 91 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 07.07 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 16.18 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 14.51 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.07 बजे तदनन्तर विष्टि 19.21 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872666 **जूलियन दिन** 2461131.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 12 **विशेष** पंगुनी उथिरम, बैंक अवकाश, हाटकेश्वर जयंती, गुरु हरकिशन पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सार समाचार

जिलें में आज से 15 तक राजस्व पखवाड़ा का होगा आयोजन

विजय मत/सूरजपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप सूरजपुर जिले में 01 अप्रैल से राजस्व पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम तीन चरणों में संपन्न होगा कृ पहला चरण 01 अप्रैल से 15 अप्रैल, दूसरा चरण 04 मई से 18 मई और तीसरा चरण 01 जून से 15 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देश पर जिले की समस्त तहसीलों कृ सूरजपुर, प्रतापुर, ओड़गी, बिहारपुर, रामानुजनगर, भैयाथान, भटगाँव, लटोरी एवं प्रेमनगर कृ के अंतर्गत पटवारी हल्कों एवं ग्राम पंचायत मुख्यालयों का चयन राजस्व शिविर आयोजन हेतु कर लिया गया है, जिसमें तहसील मुख्यालय भी शामिल हैं। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार और नायब तहसीलदार को शिविर की तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

इन शिविरों में राजस्व से जुड़े प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा, जिसमें अविवादित एवं विवादित नामांतरण, खाता बँटवारा, सीमांकन, नक्शा अद्यतन, बटांकन, व्यपवर्तन, ऋ्रष्ठा पुस्तिका प्रदान करना, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, आधार एवं मोबाइल नंबर एकत्र करना, अभिलेख शुद्धता एवं त्रुटि सुधार, डिजिटल हस्ताक्षर, स्वामित्व योजना से संबंधित कार्य, जनहानि-फसल क्षति-पशुहानि से संबंधित आर.बी.सी. 6-4 के आवेदनों का निराकरण तथा कोटवारी भूमि के विक्रय की जानकारी सहित समस्त राजस्व संबंधी प्रकरण सम्मिलित हैं। आय, जाति एवं निवास संबंधी आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से शिविर स्थल पर ही की जाएगी।

जिले में तिथिवार शिविर स्थलों की जानकारी इस प्रकार है -

01 अप्रैल- ओड़गी, बिहारपुर, भटगांव, लटोरी, प्रेमनगर, रामानुजनगर, सूरजपुर, भैयाथान एवं प्रतापपुर में छतरंग, कुप्पी व कुदरगढ़; बिहारपुर में

बालको के 'उन्नति उत्सव 2026' में महिलाओं की उपलब्धियों का भव्य उत्सव

विजय मत/बालकोनगर

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने 'उन्नति परियोजना' के अंतर्गत वार्षिक 'उन्नति उत्सव 2026' का भव्य आयोजन किया। इसमें स्व सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं सहित लगभग 800 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार तथा बालको लेडिज क्लब की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा कुमार सहित कंपनी के वरिष्ठ एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अतिथियों ने वेदांता स्किल स्कूल, मोर जल मोर माटी, आरोग्य, उन्नति, तीरंदाजी एवं नंद घर के स्टॉल का अवलोकन किया, जहां पर बालको के सामुदायिक विकास की विस्तृत जानकारी दी जा रही थी। उत्सव में चाक की मदद से मिट्टी के बर्तन बनाने तथा कोसा सिल्क से साड़ी बुनाई का स्टॉल आंगतुकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र था।

बालको के सीईओ एवं वरिष्ठ अधिकारियों तथा विशिष्ट अतिथि मनीषा कुमार द्वारा 15 महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर समाज में प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। 'कोसाकारी' ब्रांड फिल्म और वेबसाइट का भी अनावरण किया गया, जो स्थानीय कोसा सिल्क को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। साथ ही महिलाओं की सफलता पर आधारित उन्नति महासंघ की पहली पत्रिका सृष्टि का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कर्मा नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समावेशिता और सांस्कृतिक विविधता का सुंदर प्रदर्शन किया।

बालको के सीईओ एवं मुख्य अतिथि श्री राजेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि 'उन्नति उत्सव' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि महिलाओं की शक्ति, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने बताया कि 'उन्नति परियोजना' का उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय रूप से सक्षम बनाना और उन्हें अपनी अभिव्यक्ति के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करना है। यह पहल एक समावेशी और प्रगतिशील समाज के निर्माण की दिशा में बालको की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि बालको इस परियोजना के माध्यम से लगातार प्रयासरत है ताकि महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर समाज में अपनी सशक्त पहचान बना सकें।

उन्नति महासंघ की सीईओ श्रीमती अनुराधा सिंह ने 'उन्नति उत्सव' की पृष्ठभूमि और इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह मंच महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ने का माध्यम है। कार्यक्रम में लाभार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटक (स्किट) ने सामाजिक मुद्दों पर सशक्त संदेश दिया।

बालको लेडिज क्लब की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा कुमार ने अपने संबोधन में बालको की सीएसआर पहल की सराहना करते हुए कहा कि 'उन्नति परियोजना' महिलाओं के जीवन में स्थायी परिवर्तन ला रही है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम का समापन वेदांता स्किल स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत ऊर्जावान फ्लैश मॉब के साथ हुआ, जिसने महिला सशक्तिकरण का प्रेरणादायक संदेश दिया।

प्रोजेक्ट उन्नति का उद्देश्य महिलाओं को स्व सहायता समूह में शामिल करने और उन्हें सशक्त बनाने तथा उद्यमिता और स्थायी आजीविका के निर्माण के लिए उनकी क्षमताओं और कौशल को निखारने पर केंद्रित है। 561 से अधिक एसएचजी, जिनमें 6,003 से अधिक महिलाएं शामिल हैं, जो परियोजना के विभिन्न प्रशिक्षण से लाभान्वित हो रही हैं। बालको की 'उन्नति परियोजना' इसी परिवर्तन की सशक्त मिसाल है, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाकर समावेशी और प्रगतिशील समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभा रही है। परियोजना का संचालन सोशल रिवाइवल ऑफ ग्रुप अर्बन रूरल एंड ट्राइबल (स्रोत) के सहयोग से किया जा रहा है।

''नोनी हा पढ़ही, तभे आगू बढ़ही'' -कुबेरपुर में युवोदय स्वयंसेवकों की जागरूकता रैली से गूंजा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प

विजय मत/सूरजपुर

बेटियों के उज्ज्वल भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए जिला प्रशासन सूरजपुर की प्रतिबद्धता एक बार फिर जमीनी स्तर पर दिखी। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन में एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में 30 मार्च को ब्लॉक ओड़गी की ग्राम पंचायत कुबेरपुर में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत एक प्रभावशाली जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यूनिसेफ एवं एग्रिकोन फांउडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम ने ग्रामीण समाज में बाल विवाह उन्मूलन का एक सशक्त और स्थायी संदेश छोड़ा।

रैली की विशेष बात यह रही कि मीडिल स्कूल के नन्हे बच्चों ने बाल विवाह विरोधी विषयों पर भावपूर्ण चित्र बनाकर इस अभियान को एक नई ऊर्जा और जीवंतता प्रदान की। बच्चों की इस सृजनात्मक भागीदारी ने उपस्थित ग्रामीणों के मन पर गहरी छाप छोड़ी। ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं युवोदय स्वयंसेवकों ने मिलकर बाल विवाह मुक्त ग्राम बनाने की दृढ़ शपथ ली। रैली के दौरान स्पष्ट संदेश दिया गया कि कानूनन लड़की की न्यूनतम विवाह आयु 18 वर्ष तथा लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है और इससे कम आयु में विवाह करना एक दंडनीय अपराध है जो बाल विवाह की श्रेणी में आता है। युवोदय स्वयंसेवकों ने गाँव की गलियों में भ्रमण कर घर-घर तक यह जागरूकता पहुंचाई।

रैली के दौरान प्रतिभागियों के उत्साही नारों से पूरा कुबेरपुर गुंजायमान हो उठा। 'नोनी हा पढ़ही, तभे आगू बढ़ही' ष्आओ मिलकर कदम बढ़ाएं, बाल विवाह पर रोक लगाएं' 'हम सबने ठाना है, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाना हैं' और 'बंद हो, बंद हो - बाल विवाह बंद हो' जैसे नारों ने ग्रामीणों के मन में इस सामाजिक बुराई के विरुद्ध जागृति की नई लौ प्रज्वलित की। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जनों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की सामूहिक शपथ दिलाने के साथ हुआ।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक : ग्रीष्मकाल में सतत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने दिए निर्देश

विजय मत/बलरामपुर

एग्री स्टेक पोर्टल में पात्र सभी किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करें : कलेक्टर

कलेक्टर राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा, राजस्व प्रकरण, आयुष्मान कार्ड, स्वास्थ्य और पेयजल की उपलब्धता सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अविवादित नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का त्वरित एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आम नागरिकों से जुड़े राजस्व प्रकरणों तथा हाईकोर्ट में लंबित प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने को कहा। साथ ही कलेक्टर ने एग्री स्टेक पोर्टल में जिले के सभी पात्र किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना एवं पीएम जनमन आवासों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वीकृत, पूर्ण एवं अपूर्ण आवासों की विस्तृत जानकारी ली तथा लंबित आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने पीएम जनमन के अंतर्गत स्वीकृत गतिविधियों की भी जानकारी लेकर कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत पीएम जनमन मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आयुष्मान भारत योजना एवं वय वंदन योजना के अंतर्गत कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष हितग्राहियों के कार्ड शीघ्र बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संबंधी समस्याओं का चिन्हांकन कर तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रीष्मकाल में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और सुचारू रूप से पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पेयजल आपूर्ति पर सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश भी दिए। आगामी होने वाले जनगणना के संबंध में कलेक्टर श्री कटारा ने जिला सांख्यिकी अधिकारी से तैयारियों की जानकारी लेते हुए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

घर में घुसकर बीमार महिला से दुष्कर्म

कोरबा। मामूली जान पहचान के बाद युवक को घर आमंत्रित करना एक परिवार के लिए बड़ी मुसीबत बन गया. युवक की नीयत घर की बीमार महिला पर पड़ी जो बिस्तर से उठ नहीं पाती. पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है. जहां पथर्रीपारा में महिला के साथ नशे की हालत में एक युवक ने दुष्कर्म की जघन्य वारदात को अंजाम दिया है. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार का वैधानिक कार्रवाई की है.

मुंह में कपड़ा ठूंसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला के परिजन के साथ आरोपी घर आया था. इसके कुछ देर बाद सोमवार की शाम को वह नशे की हालत में वापस लौटा. पहले उसने बच्चों को बहाना कर घर से बाहर कर दिया. इसके बाद मुंह में कपड़ा ठूंस महिला से अनाचार को अंजाम देकर फरार

हो गया. सूचना मिलने पर पुलिस हरकत में आई और आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है.

पीड़िता को भर्ती कराया गया

पीड़िता को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है. दिनदहाड़े हुए इस वारदात से लोगों में आक्रोश व्याप्त है. लगभग 30 वर्षीय महिला करीब एक साल से बीमार चल रही है. जो पीलिया से ग्रस्त है. परिजन उसका उपचार निजी अस्पताल में करा रहे हैं. लंबी बीमारी के कारण महिला को चलने फिरने में परेशानी होती है. लिहाजा वह बच्चों के साथ घर में ही रहती है. सोमवार को भी महिला बच्चों के साथ घर में थी.

पार्षद सहित बस्ती वाले पहुंचे घटना स्थल

घटना की जानकारी होने पर सोमवार की शाम को वार्ड पार्षद सहित बस्तीवासी भारी संख्या में मौके पर एकत्रित हो गए. उन्होने डॉयल 112 के अलावा पुलिस को सूचना दी. डॉयल 112 की मदद से पीड़िता को अस्पताल दाखिल कराया गया. इस घटना से बस्तीवासियों मे आक्रोश व्याप्त है.

आरोपी गिरफ्तार

इस विषय में सीएसपी कोरबा प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि सिविल लाइन थाना के पथर्रीपारा में दुष्कर्म का मामला सामने आया है. इस मामले में महिला का कथन दर्ज किया गया है. इसी बयान के आधार पर एक व्यक्ति को आरोपी बनाया गया है. जिसे हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की गई है.

सूरजपुर के स्काउट-गाइड दल की सकुशल वापसी

विजय मत/सूरजपुर

पंचमढ़ी शिविर से सीखे आपदा प्रबंधन व साहसिक नेतृत्व के गुर

जिले को मिले नए साहसिक लीडर, अभिभावकों में खुशी की लहर

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में राष्ट्रीय साहसिक संस्थान पंचमढ़ी (मध्यप्रदेश) में 25 से 29 मार्च 2026 तक आयोजित राज्य स्तरीय पर्वतारोहण, व्यक्तित्व विकास एवं आपदा प्रबंधन शिविर में भाग लेकर सूरजपुर जिले का स्काउट-गाइड दल सकुशल वापस लौट आया। दल की सुरक्षित वापसी पर अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल देखने को मिला तथा प्रतिभागियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया।

शिविर का आयोजन राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस शिविर में सूरजपुर जिले से जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त स्काउट अजय मिश्रा के मार्गदर्शन में 38 सदस्यीय दल ने सहभागिता की। दल में 15 स्काउट, 19 गाइड तथा प्रभारी के रूप में स्काउटर चंद्रिका सिंह, योगेश साहू एवं गाइडर कंचनलता टोप्पो, दीपा सिंह शामिल रहे। इसके अतिरिक्त राज्य काउंसलर रामदत्त पटेल, राज्य सहायक आयुक्त पीताम्बर मरावी, जिला सचिव उमेश गुर्जर, जिला आयुक्त गोवर्धन सिंह, कौशल्या मलिक, डीओसी विनीता भगत एवं बेलभद्र देवांगन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनके सहयोग से दल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न साहसिक एवं जीवनोपयोगी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रथम दिवस राजेंद्र गिरि के भ्रमण के दौरान पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं प्रकृति के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। द्वितीय दिवस बी फॉल की रोमांचक ट्रेकिंग कराई गई, जहाँ कठिन एवं फिसलन भरे पहाड़ी रास्तों से गुजरते हुए बच्चों ने टीम वर्क, धैर्य एवं साहस का परिचय दिया। साथ ही प्रतिभागियों को रायफल शूटिंग एवं आर्चरी का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। तृतीय दिवस आपदा प्रबंधन की पूर्व तैयारी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें भूकंप, बाढ़, आगजनी जैसी आपदाओं में स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा के उपाय सिखाए गए। इस दौरान स्काई साइक्लिंग, जिपलाइन, रोप ब्रिज, वैली क्रॉसिंग, मंकी ब्रिज, सोलर ब्रिज, रिवर क्रॉसिंग, टनल वॉक, कमांडो ब्रिज एवं चिमनी क्लाइम्बिंग जैसी गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों में साहस, संतुलन, आत्मविश्वास एवं त्वरित निर्णय क्षमता का विकास किया गया। चतुर्थ दिवस जटाशंकर गुफा के दर्शन कर प्राकृतिक संरचना एवं धार्मिक आस्था से परिचय कराया गया। इसके पश्चात रॉक क्लाइम्बिंग एवं रैपलिंग जैसी साहसिक गतिविधियों का अभ्यास कराया गया, जिससे बच्चों में ऊँचाइयों के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा। पंचम दिवस पांडव गुफा एवं बायसन लॉज का भ्रमण कराया गया, जहाँ प्रतिभागियों ने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के महत्व को समझा। शिविर के दौरान प्रतिदिन संध्या में कैम्प फायर का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी संस्कृति, गीत, नृत्य एवं परंपराओं की शानदार प्रस्तुति दी। इससे बच्चों में एकता, भाईचारा, आपसी सहयोग एवं राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास हुआ। राज्य काउंसलर रामदत्त पटेल ने बताया कि सभी प्रतिभागी पाँच दिवसीय शिविर से पूर्णतः सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक वापस लौटे हैं तथा शिविर के दौरान किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न नहीं हुई।

संगठित गिरोह के 4 आरोपी गिरफ्तार पशु तस्करी में प्रथम बार हुई महिला पर कार्रवाई भेजी गई जेल

रघुनाथनगर-बलंगी में मवेशी तस्करी के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

आनन्द मिश्रा

विजय मत/बलरामपुर-रामानुजगंज। जिले के रघुनाथनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकी बलंगी इलाके में पुलिस ने मवेशी तस्करी के एक बड़े संगठित आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर (भा.पु.से.) के निर्देशन तथा पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा के सतत मार्गदर्शन में की गई, जिसमें एसडीओपी वाड्रफनगर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने देर रात योजनाबद्ध तरीके से रेड कर बड़ी सफलता हासिल की।

मुखबिर की सूचना पर बनाई गई रणनीतिः पुलिस को दिनांक 28-29 मार्च 2026 की मध्य रात्रि विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि रघुनाथनगर के बलंगी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध मवेशी तस्करी की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके बाद एसडीओपी वाड्रफनगर ने पुलिस टीम के साथ रणनीति बनाकर संभावित मार्गों पर घेराबंदी की योजना तैयार की।

बैरियर लगाकर की गई घेराबंदीः पुलिस टीम देर रात चौकी बलंगी पहुंची और वहां मुख्य मार्गों पर बैरियर लगाकर तस्करों के आने-जाने के रास्तों को चिन्हित किया। पुलिस जवान पूरी सतर्कता के साथ संदिग्ध वाहनों का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान कुछ वाहन तेज गति से आते दिखाई दिए, जिन पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बैरियर गिराकर उन्हें रोकने का प्रयास किया।

दो पिकअप वाहन जब्त, चालक फरारः रेड कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो पिकअप वाहनों को अपने कब्जे में लिया, हालांकि दोनों वाहनों के चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने वाहनों की तलाशी ली, जिसमें प्रत्येक पिकअप में 7-7 नग भैंस/भैंसी लोड पाई गई। इस तरह कुल 14 मवेशियों को तस्करी से मुक्त कराया गया।

ग्रैंड विटारा कार भी जब्त, एक आरोपी मौके से गिरफ्तारः कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध ग्रैंड विटारा कार (क्रमांक ष्ठत्न-30 त्न-5161) को भी जब्त किया। इस कार के चालक जितेन्द्र कुमार जायसवाल को पुलिस ने मौके से ही हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में ही कई अहम खुलासे सामने आए।

पूछताछ में सामने आया संगठित गिरोहः गिरफ्तार आरोपी जितेन्द्र जायसवाल से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह मानिकचंद सोनवानी, दीपक सोनवानी और अन्य साथियों के साथ मिलकर लंबे समय से मवेशी तस्करी के अवैध कारोबार में संलिप्त है। जांच में यह भी सामने आया कि इस गिरोह द्वारा तस्करी से प्राप्त रकम को व्यवस्थित तरीके से बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाता था।

महिला आरोपी की भूमिका भी उजागरः पूछताछ में यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि आरोपी मानिकचंद सोनवानी की पत्नी देवमती सोनवानी के बैंक खाते में मवेशी तस्करी से संबंधित रकम जमा की जाती थी। इससे यह स्पष्ट हुआ कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से वित्तीय लेनदेन कर रहा था, जिससे उनके नेटवर्क की संगठित प्रकृति का पता चलता है।

NSUI देवभोग ने छात्र संघ चुनाव बहाली को लेकर पंडित श्याम शंकर मिश्र महाविद्यालय में प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

विजय मत/गरियाबंद

देवभोग में छात्र-छात्राओं के लोकतांत्रिक अधिकारों की आवाज एक बार फिर बुलंद हुई। NSUI कार्यकर्ताओं ने पंडित श्याम शंकर मिश्र महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर छात्र संघ चुनाव की तत्काल बहाली की मांग की।

विगत कई वर्षों से चुनाव नहीं होने के कारण छात्रों की समस्याएं शासन-प्रशासन तक प्रभावी रूप से नहीं पहुँच पा रही हैं। ह्रस्ढ्ढ ने स्पष्ट कहा कि छात्र संघ चुनाव केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि छात्रों के अधिकार, सम्मान और नेतृत्व का आधार है।

प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के तहत संगठन ने निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध चुनाव कराने, तिथि की शीघ्र घोषणा करने और छात्र प्रतिनिधियों को अधिकार व मान्यता देने की मांग की है।

NSUI ब्लॉक अध्यक्ष सतीश साहू ने कहा -ू छात्र संघ चुनाव बहाली जरूरी है, नहीं तो छात्रों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। जल्द चुनाव कराने की मांग, वरना उग्र आंदोलन की चेतावनी।

इस अवसर पर धीरेन्द्र बघेल, लोकेश सोनवानी, योगेन्द्र बघेल, पिंकू सोनवानी, भोजराज बीसी, डोले मरकाम, बबलू बघेल, गुड्डू जगत, चिराग साहू, हिमाचल यादव, तुकाराम, प्रभुलाल मांझी, राहुल डोंगरे, सुमीत यादव, खितेश पांडे, ऋ्रतिक हरपाल, नवीन मांझी, मनमोहन सोनवंशी, शुभम बघेल, भोगेश हरपाल, निखिल रावत, पंकज नायक, दुष्यंत नागेश सहित बड़ी संख्या में ह्रस्ढ्ढ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

25 नक्सलियों ने किया सरेंडर, 3करोड़ कैश, 7 किलो से ज्यादा सोना बरामद

- समर्पण करने वालों में 12 महिला नक्सली भी
- दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े थे नक्सली

विक्रम कौशल

विजय मत/जगदलपुर। बस्तर संभाग में आज 31 मार्च 2026 का दिन नक्सल उन्मूलन के मामले में इतिहास रच गया।आज माओवादी इतिहास की सबसे बड़ी रिकवरी हुई है, जिसके तहत नक्सली डंप से 14.06 करोड़ की संपत्ति बरामद की गई है। बरामद संपत्ति में 2.90 करोड़ कैश एवं 11.16 करोड मूल्य का 7.20 किग्रा सोना शामिल हैं। आज ही दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े 25 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें 12 महिला नक्सली शामिल हैं।

यह बड़ी कामयाबी बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में हासिल हुई है। आज बीजापुर में बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी., सीआरपीएफ के डीआईजी बीएस नेगी और बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि डीकेएसजेड से जुड़े 25 नक्सलियों ने पुलिस अधिकारियों, समाज के वरिष्ठ जनों और अपने परिजनों की मौजूदगी में आत्मसमर्पण किया। इन नक्सलियों ने पुलिस को 4 नग एके-47 रायफल, 9 नग एसएलआर, एक नग इंसास एमएलजी, 7 नग 5.56 इंसास रायफल, एक नग पिस्टल, एक नग कार्बाइन, 12 नग .303 रायफल, 7 सिंगल शॉट गन, 23 नग बीजीएल लांचर, 14 नग 12 की बंदूक, 3 नग 315 बोर की बंदूकों सहित कुल 93 हथियार सौंपे हैं। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर जंगल में स्थित नक्सली डंप से 2 करोड़ 90 लाख रुपए कैश और 11 करोड़ 16 लाख रुपए मूल्य का 7.20 किलो सोना बरामद किया गया है। माओवादी इतिहास में यह सबसे बड़ी रिकवरी है।

आज पुनर्वास करने वाले नक्सलियों पर 1.47 करोड़ रूपये का इनाम घोषित है।उल्लेखनीय है कि बीजापुर जिले में 1 जनवरी 2024 से लेकर 31 मार्च 2026 तक की अवधि में कुल 1003 नक्सलियों ने पुनर्वास से पुनर्जीवन का मार्ग अपनाया है । इसके पूर्व 5.37 करोड़ रूपये की बरामदगी हुई थी जिसमें 1.64 करोड रूपये मूल्य का 1.0 किग्रा सोना एवं 3.73 करोड़ रूपये नगद बरामद हुए थे । इस प्रकार अब तक 19.43 करोड रूपये की बरामदगी हुई है जिसमें 6.63 करोड रूपये कैश एवं 12.80 करोड़ रूपये मूल्य की 8.20 किग्रा सोना शामिल है ।

नक्सलियों का सबसे सुरक्षित ठिकाना का एक और नक्सली ने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया

विजय मत/नारायणपुर

छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने की निर्धारित समय-सीमा (डेडलाइन) के अंतिम दिन नारायणपुर से आई एक खबर ने सुरक्षा गलियारों और राजनीतिक हलकों में हलचल तेज कर दी है। बस्तर संभाग के अबूझमाड़ जिसे नक्सलियों का सबसे सुरक्षित ठिकाना माना जाता था वहां एक और नक्सली ने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। यह केवल एक सरेंडर नहीं, बल्कि उस अबूझमाड़ के बदलते मिजाज की कहानी है जिसे कभी प्रशासन के लिए अभेद्य माना जाता था। नारायणपुर पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली के पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। यह घटना उस समय हुई जब सरकार द्वारा प्रदेश को नक्सल मुक्त घोषित करने के लिए तय की गई मियाद पूरी हो रही है।

पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन गुरीया ने इसे रणनीतिक जीत बताते हुए कहायह सरेंडर केवल एक व्यक्ति का हथियार छोड़ना नहीं है, बल्कि उस दबाव का परिणाम है जो सुरक्षा बलों ने जंगलों के भीतर तक बनाया है। अब नक्सलियों के भीतर बिखराव साफ दिख रहा है और स्थानीय जनता का भरोसा पुलिस पर बढ़ रहा है।

अबूझमाड़ का अर्थ है जिसे बुझा न जा सके। लगभग 4,000 वर्ग किलोमीटर में फैले इस दुर्गम क्षेत्र में घने जंगल और पहाड़ियां नक्सलियों के लिए ढाल का काम करती रही हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में जमीनी स्तर पर तीन बड़े बदलाव देखे गए हैं उन इलाकों में नए कैंप स्थापित किए गए हैं जहां दशकों से फोर्स नहीं पहुंची थी। कनेक्टिविटी ने नक्सलियों की मूवमेंट को सीमित कर दिया है। स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और राशन की पहुंच ने स्थानीय ग्रामीणों का नजरिया बदला है।?विशेषज्ञों और ग्राउंड जीरो पर तैनात अधिकारियों का मानना है कि नक्सलवाद के खिलाफ यह लड़ाई अब अपने निर्णायक मोड़ पर है।

बस्तर के विकास को मिली नई गति: वन मंत्री केदार कश्यप

विजय मत/जगदलपुर

सड़क सुदृढ़ीकरण के लिए नारायणपुर को 11.31 करोड़ की सौगात

गढ़बेंगाल चौक से मानसरोवर तक सड़क होगी मजबूत

बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले के समग्र विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एनएच-130 डी अंतर्गत गढ़बेंगाल चौक से मानसरोवर बखरूपारा तक लगभग 2 किलोमीटर सड़क के सुदृढ़ीकरण हेतु 11.31 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह महत्वपूर्ण सौगात क्षेत्र के विधायक एवं केबिनेट मंत्री केदार कश्यप के सतत प्रयासों और सक्रिय पहल का परिणाम है।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि डबल इंजन सरकार के सहयोग से नारायणपुर सहित पूरे बस्तर क्षेत्र में विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति मिल रही है। इस सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य के पूर्ण होने से शहर की यातायात व्यवस्था सुगम और सुरक्षित होगी। साथ ही आम नागरिकों, व्यापारियों और दैनिक आवागमन करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। श्री कश्यप ने बताया कि यह मार्ग लंबे समय से मरम्मत और उन्नयन की आवश्यकता महसूस कर रहा था, जिसे अब प्राथमिकता देते हुए स्वीकृति दिलाई गई है। सड़क के बेहतर होने से न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। मंत्री केदार कश्यप ने इस स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है।

नारायणपुर की नई पहचान: केदार

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता है कि

अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचे। नारायणपुर में सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। आने वाले समय में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं जिले को नई पहचान देंगी।वनमंत्री ने कहा की विष्णुदेव साय सरकार में इस प्रकार के विकास कार्यों से नारायणपुर तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा और क्षेत्र के नागरिकों

सीसीएसएच में नर्सिंग स्टाफ के लिए निडल स्टिक इंजूरी पर वर्कशॉप

एड्स की भी जननी है निडल स्टिक इंजूरी

विजय मत/जगदलपुर। कांटिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मंगलवार को निडल स्टिक इंजूरी पर आधारित एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में सीसीएसएच के नर्सिंग स्टॉफ एवं लैब तकनीशियनों को जरूरी जानकारी दी गई।

वर्कशॉप में नर्सिंग हेड रश्मि पाल ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से उपस्थित स्टॉफ को एनएसआई से संबंधित सभी जरूरी जानकारियां दी। ट्रेनर रश्मि पाल ने बताया कि एनएसआई एक गंभीर समस्या है। विश्व भर में इस दुर्घटना से हज़ारों लोग घायल हो जाते हैं।वर्कशॉप में सावधानी बरतने लाइव डेमो भी किया गया

क्या है नीडल स्टिक इंजूरी?

निडल स्टिक इंजूरी एक प्रकार की चोट है जो तब होती है जब कोई व्यक्ति किसी सुई या अन्य तेज वस्तु से छिद्रित हो जाता है, जो किसी अन्य व्यक्ति के रक्त या अन्य शरीर के तरल पदार्थों से दूषित होता है। यह चोट आमतौर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, जैसे कि डॉक्टर, नर्स, और लैब टेक्नीशियन, को होती है, जो सुई और अन्य तेज वस्तुओं के साथ काम करते हैं।

बड़े खतरे हैं इसमें

निडल स्टिक इंजूरी के कारण होने वाले जोखिम बड़े खतरनाक हैं। इससे एचआईवी, संक्रमण हेपेटाइटिस बी एवं हेपेटाइटिस सी संक्रमण एवं रक्तजनित रोगों के संक्रमण का खतरा रहता है। निडल स्टिक इंजूरी को रोकने के लिए सुई और अन्य तेज धार या नुकीली वस्तुओं का सावधानी से उपयोग करें, सुई को सही तरीके से निपटाएं, ग्लब्स पहनें, सुई के साथ काम करते समय सावधानी बरतें, यदि चोट लग जाए, तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें। यदि आपको निडल स्टिक इंजूरी होती है, तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें, चोट को साफ करें और दबाव डालें, अपने रक्त का परीक्षण करवाएं, अपने डॉक्टर की सलाह का पालन करें।

सड़क किनारे कपड़े प्रेस करने से लेकर सपनों के घर तक का सफर

लक्ष्मी राव की जिंदगी में आखिर आ गई नई सुबह

विजय मत/जगदलपुर

रामनवमी के पावन अवसर पर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के नाम से जानने वाले बस्तर संभाग के जगदलपुर शहर में एक संघर्षशील आत्मा के जीवन में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) बीएलसी घटक की लाभार्थी लक्ष्मी राव ने अपने पक्के घर में कदम रखा, जिससे जीवन भर के संघर्षों को ईंट और गारे की एक सुरक्षित नींव मिल गई।

वर्षों तक लक्ष्मी राव का जीवन लोहे की भारी प्रेस की गर्मी से मापा जाता रहा। सड़क किनारे कपड़ों पर प्रेस करने की एक छोटी सी दुकान से वह एक-एक रुपया जोड़कर अपना गुजारा करती थी। कोरोना काल के दौरान जब उन्होंने अपने पति एन कृष्णा राव को खो दिया, तो उनकी दुनिया उजड़ गई। इसके बाद के कठिन वर्षों में, उनके बच्चे भी काम की तलाश में राज्य से बाहर चले गए, जिससे वह दुनिया और अपने जर्जर आश्रय स्थल पर चुनौतियों का सामना करने के लिए निपट अकेली रह गईं। इस घर से पहले, %घर% का मतलब मौसम की मार से लगातार लड़ना था। उनका पिछला निवास मानसून की बारिश या चिलचिलाती धूप से बहुत कम सुरक्षा प्रदान करता था, जिससे अस्तित्व के लिए उनका दैनिक संघर्ष और भी थका देने वाला हो गया था।

शुरू हुआ और दूसरे दिन सुबह 7 बजे समाप्त हुआ। जैसे ही पूजा संपन्न हुई, उन्होंने समस्त आवास से संबंधित कर्मचारियों को गृह प्रवेश प्रसाद प्रीति भोज में बुलाकर मान दिया। यह घर उस महिला की गरिमा का प्रतीक है जिसने साबित कर दिया कि कोयले की भारी प्रेस और भारी तकलीफों के बावजूद, एक सुंदर भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

ईंट-दर-ईंट भविष्य का निर्माण

पीएमएवाय शहरी के माध्यम से एक स्थायी छत का सपना हकीकत बन गया, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार से कुल 2.40 लाख की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। हालाँकि, यह यात्रा उनके अपने पसीने और बलिदान की मांग करती थी। लाभार्थी के हिस्से के 1 लाख का प्रबंधन करना एक बड़ी चुनौती थी। उन्होंने अपने प्रेस के काम से होने वाली कमाई का एक-एक रुपया बड़ी सावधानी से बचाया। उन्होंने किश्तों में इस योगदान का प्रबंधन किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि नींव से लेकर छत तक, निर्माण का प्रत्येक चरण पूरी निष्ठा के साथ पूरा हो। तेलंगाना की परंपराओं का पालन करते हुए गृह प्रवेश उनकी आस्था और सहनशक्ति का प्रमाण था। इस समारोह को संपन्न कराने के लिए विशेष रूप से विशाखापत्तनम (विजाग) से पुजारी बुलाए गए थे। अटूट भक्ति के साथ, अनुष्ठान रात 2ः30 बजे के सटीक मुहूर्त पर

सुकमा कलेक्टर अमित कुमार चौपाल लगाकर सुनी लोगों की समस्याएं

सुकमा। बस्तर से नक्सलवाद के खात्मे के साथ अब सुकमा में विकास की बयार बह रही है. यहां के धुर पिछड़े इलाके नागाराम और केरलापेंदा में मंगलवार को प्रशासन की टीम पहुंची. खुद जिले के कलेक्टर अमित कुमार ने नागाराम और केरलापेंदा का दौरा किया. इसके साथ ही गांव में उन्होंने जन चौपाल लगाई और लोगों की समस्याएं सुनीं.कलेक्टर अमित कुमार सुदूर वनांचल नागाराम और केरलापेंदा में जैसे ही पहुंचे लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जगी. चौपाल में बैठे बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे. किसी ने राशन की बात कही, तो किसी ने स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं की. कलेक्टर ने हर आवाज़ को गंभीरता से सुना और मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए कलेक्टर ने नागाराम में निर्माणाधीन माध्यमिक शाला का निरीक्षण किया. उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया. इसके अलावा कलेक्टर अमित कुमार ने आंगनवाड़ी केंद्र का भी जायजा लिया. उन्होंने कहा कि हर बच्चा स्कूल पहुंचे, यही हमारी प्राथमिकता है. बच्चों को पौष्टिक आहार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की बात करते हुए उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कई नसीहतें भी दी।

विजय मत। नक्सल मुक्त की घोषणा होने पर दोरनापाल में नक्सलवाद से लोहा लेते हुए शहीद हुए वीर जाबांज जवानों नमन करते हुए मुख्य चौराहे में कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

द्वितीय पुरस्कार 71 हजार रुपए

राजहरा में आरपीएल की धूम: एक लाख का है पहला ईनाम

विजय मत/दल्ली राजहरा

खेल नगरी दल्ली राजहरा में इन दिनों क्रिकेट की धूम मची हुई है। शहर के व्यवसायी और प्रतिष्ठित नागरिकों के सौजन्य से शहर के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों ने खेलबो राजहरा फाउंडेशन के तत्वावधान में राजहरा प्रीमियर लीग का आयोजन किया है।

खेल का उद्देश्य है इस लीग के माध्यम से क्रिकेट खिलाड़ियों की प्रतिभा को सामने लाना है। उद्घाटन समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू, शहर व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविंद वाधवानी, समाजसेवी आशुतोष माथुर, क्रिकेटर सुरेश रेड्डी, पत्रकार अर्जुन झा, स्टील सिटी होटल के संचालक प्रवीण जैन शामिल हुए। इन अतिथियों ने आयोजकों को आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। 30 मार्च से प्रारंभ हुई प्रतियोगिता में सन्नी स्टार, राजहरा इंडियंस, एसटी-11 एमजे वॉरियर्स, अंजलि स्टार, जीबी स्पोर्ट्स, थंडर श्री जैसी मशहूर टीमें हिस्सा ले रही हैं। 8 अप्रैल को फाइनल मैच खेला जाएगा, मैच के दौरान टीम को लाखों के इनाम प्रायोजकों द्वारा दिए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपए, द्वितीय 71 हजार हजार रुपए मिलेंगे, माथुर सिनेफ्लेक्स, ज्योति चिकित्सालय, क्रांति मेडिकल, होटल स्टील सिटी, शांति ज्वेलर्स, श्री अरिष्ट फाइनेंस मुख्य प्रायोजक हैं। इस लीग को सफल बनाने में संरक्षक विशाल मोटवानी, शहर के युवा संजय साहनी, विपिन जैन, सन्नी मोटवानी, बादल तिवारी, मोहम्मद फरीद, सन्नी भाटिया, इमरान मोहम्मद, अक्षय शिवहरे, पीएम सुहेल, सूरज दास, शादाब अली, यश जैन विशेष योगदान दे रहे हैं।

आईपीएल 2026 : आज होगा लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

शाम 7.30 शुरु होगा मैच

लखनऊ, एजेंसी

यहां के इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सुपरजायंटस के लिए सकारात्मक बात ये रहेगी कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सुपरजायंटस की कप्तानी जहां ऋषभ पंत के पास है, वहीं दिल्ली की कमान अक्षर पटेल संभालेंगे। ऋषभ इस लीग में बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी फिटनेस और फार्म हासिल करने का प्रयास करेंगे। वहीं अक्षर का प्रयास भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। इन दोनो ही टीमों का प्रदर्षन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। पिछली बार दोनों ही टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाय थीं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच हुए सात मैचों में से दिल्ली ने चार जीते हैं जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं हाल के वर्षों में लखनऊ ने दिल्ली को तीन मैच हराकर दिखाया है कि वह भी बराबरी की दावेदार है। उसने 200 रन से अधिक रन बनाकर दिल्ली को कड़ी टक्कर दी है। ऐमें में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटक लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है।

इस दौरान उसने कई कप्तान भी बदले हैं। दिल्ली के लिए इस मुकाबले में राहुल एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। 145 आईपीएल मैचों में 46.21 के शानदार औसत से 5222 रन बनाने वाले राहुल इस टूर्नामेंट के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक रहे हैं।लखनऊ जैसी कठिन पिच पर राहुल की पारी को संभालने की क्षमता और भी ज्यादा कीमती साबित होगी। अगर वह

टीम को एक मजबूत शुरुआत दे पाते हैं और अंत तक बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे मध्य क्रम पर दबाव कम होगा और टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएगी।. राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मुकाबलों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर,ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे. वहीं, अक्षर पटले और विपराज निगम बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देंगे।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम कप्तान 2. ऋषभ पंत के अलावा बल्लेबाज निकोलस पूरन पर आधारित रहेगी। ऋषभ को लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछली बार 27 करोड़ में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी पर वह अधिकतर समय रन नहीं बना पाये पर अंत में 118 रनों की शानदार पारी खेलते हुए 14 पारियों में कुल 269 रन बनाए थे। वहीं सलामी बल्लेबाज निकोलस पूरन ने पिछले सत्र में एक आक्रामक सलामी बल्लेबाज के तौर पर 14 मैचों में 524 रन बनाये थे।

पोलियो को मात देकर लगातार चार स्वर्ण जीते, देश की पहली खिलाड़ी जिन्होंने रचा इतिहास

बेंगलुरु, एजेंसी

कोरामंगला स्टेडियम में आयोजित पैरा ताइक्वांडो नेशनल चैंपियनशिप 2025-26 में मध्य प्रदेश की प्रतिभाशाली खिलाड़ी सपना शर्मा ने अपनी स्वर्णिम सफलता का सिलसिला जारी रखते हुए एक बार फिर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है। यह सपना शर्मा का लगातार चौथा नेशनल गोल्ड मेडल है, जिसके साथ ही वह देश की पहली ऐसी दिव्यांग खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने खेल जगत में यह विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। इंदौर की रहने वाली सपना की इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल उनके शहर बल्कि पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है।इस दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 28 और 29 मार्च को किया गया था, जिसमें देशभर के लगभग 70 खिलाड़ियों ने अपना कौशल दिखाया।

फाइनल मुकाबले में सपना शर्मा ने अपनी बेहतरीन तकनीक और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए प्रतिद्वंद्वियों को पस्त कर दिया। कड़े मुकाबले में तेलंगाना की ममता को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि कृष्णवेणी ने कांस्य पदक हासिल किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान सपना का प्रदर्शन इतना प्रभावी रहा।

पावरप्ले की कमजोरी नहीं ठीक कर पायी सीएसके

गुवाहाटी । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम एक बार फिर पावरप्ले में कमजोर साबित हुई है। इसी कारण आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मैच में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके की आधी टीम शुरुआती छह ओवरों में ही मात्र 41 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। पिछले साल भी उसने पावरप्ले में ही अपने विकेट गंवा दिये थे। कागज पर जहां टीम की बल्लेबाजी कमजोर नजर आती है, वहीं मैदान पर आते ही उसकी कमजोरी की पोल खुल गयी। टूर्नामेंट की शुरुआत पहले दो मैचों में पावरप्ले में बड़े स्कोर के साथ हुई थी। इससे यह साफ हो गया कि अब लीग में पावरप्ले बल्लेबाजी का स्तर काफी कुछ तय करता है। ऐसे में शुरुआत में ही करीब पांच विकेट गिरना दिखाता है कि मैच टीम के हाथों से निकल गया है।

इससे पहले आईपीएल 2025 में भी सीएसके का प्रदर्शन पावरप्ले में अच्छा नहीं रहा था। टीम पावरप्ले में 14 पारियों में 8.70 के रन रेट से 731 रन ही बना पायी थी। उसका औसत पावरप्ले स्कोर 52.21 रहा।

जडेजा ने बताया, गन शॉट सेलिब्रेशन का कारण

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत से की है। उसने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को हराया है। इस मैच में रॉयल्स की ओर से खेल रहे रविन्द्र जडेजा ने सीएसके के शिवम दुबे को आउट करने के बाद गन शॉट सेलिब्रेशन किय। ये पहली बार है जब जडेजा ने इस प्रकार से जश्न मानाया। वह अबतक तलवारबाजी वाला जश्न मानते आये हैं पर गन शॉट वाला नहीं। वहीं जडेजा ने इसका कारण भी बताया है। उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि शिवम कैसे सोचते हैं। इसलिए मुझे पता था कि वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास करेगा और उसकी इसी योजना को विफल करने में मैं सफल रहा। इसी कारण मैंने जश्न मनाया। इससे पहले तक सीएसके में रहे जडेजा पहली बार रॉयल्स से खेल रहे हैं।

टेनिस में भारत को पहला ओलंपिक पदक दिलाया

पेस ने टूटी कलाई से जीता कांस्य; जादुई है पूरा किस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस की बात हो और लिएंडर पेस का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी होता है। पेस को दुनिया के सबसे सफल डबल्स खिलाड़ियों में गिना जाता है और उनकी उपलब्धियां उन्हें भारतीय खेल इतिहास के सबसे बड़े दिग्गजों में शामिल करती हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेस की चमकदार उपलब्धियों ने भारतीय टेनिस को नई पहचान दिलाई। खास तौर पर 1996 अटलांटा ओलंपिक में जीता गया उनका कांस्य पदक न सिर्फ ऐतिहासिक था, बल्कि इसने भारत में टेनिस की नई पीढ़ी को भी प्रेरित किया। उनकी इसी सफलता से प्रेरित होकर आगे चलकर सोमदेव देववर्मन, रोहन बोपन्ना जैसे खिलाड़ियों ने सिंगल्स और डबल्स टेनिस में अपना करियर बनाया और देश का नाम रोशन किया।

क्यों चर्चा में हैं लिएंडर पेस?

पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस पश्चिम

बंगाल 2026 के चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए हैं। मंगलवार को दिल्ली मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और सुकांत मजूमदार की मौजूदगी में उन्होंने भाजपा का दामन थामा। पेस साल 2021 से तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हुए थे। पश्चिम बंगाल में 294 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनावों से पहले लिएंडर पेस का भाजपा में शामिल होना तृणमूल कांग्रेस के लिए बड़ा झटका भी माना जा रहा है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान लिएंडर पेस से मिले थे ।

पार्टी में स्वागत किया

मुलाकात में सौमिक भट्टाचार्य भी शामिल हुए थे। तभी से ऐसी अटकलें लगा जा रही थीं कि पेस जल्द ही भाजपा से जुड़ सकते हैं। पेस को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने फूलों का एक बुके और भाजपा की सदस्यता वाली पर्ची देकर पार्टी में स्वागत किया।

पेस ने महज 18 साल की उम्र में 1992 बार्सिलोना ओलंपिक के जरिए ओलंपिक मंच पर कदम रखा। हालांकि, सिंगल्स में वह पहले ही दौर में बाहर हो गए, लेकिन डबल्स में अपने साथी रमेश कृष्णन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। यही वह शुरुआत थी, जिसने आने वाले वर्षों में एक महान करियर की नींव रखी। भारतीय खेल इतिहास में कुछ पल ऐसे होते हैं, जो हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। लिएंडर का 1996 अटलांटा ओलंपिक में जीता गया ब्रॉन्ज ऐसा ही एक ऐतिहासिक क्षण है। इस उपलब्धि ने न सिर्फ 44 साल बाद भारत को व्यक्तिगत ओलंपिक पदक दिलाया, बल्कि पेस को ओलंपिक टेनिस में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय और एशियाई खिलाड़ी बना दिया ।इस जीत के पीछे सिर्फ प्रतिभा नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत थी। पेस ने 1992 बार्सिलोना ओलंपिक के बाद ही अटलांटा के लिए तैयारी शुरू कर दी थी। उन्होंने खासतौर पर ऊंचाई वाले इलाकों में खेलना शुरू किया।

पीएसएल मामले में शाहीन के बचाव में उतरे शाहीन रजा

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान सुपरलीग (पीएसएल) में ~होटल की सुरक्षा में सेंध के मामले में जहां लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी पर भारी जुर्माना लगाया गया है। वहीं इस मामले में शामिल रहे

जिम्बाब्वे के खिलाड़ी सिकंदर रजा ने कहा है कि इसमें शाहीन नहीं बल्कि मैं दोषी हूं। शाहीन पर आरोप है कि सुरक्षाकर्मियों के मना करने के बाद भी वह अपने चार दोस्तो को होटल के अंदर ले गये थे। इसी कारण पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शाहीन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं रजा ने अफरीदी का बचाव करते हुए कहा है कि पूरी गलती मेरी हैं।

रजा भी पीएसएल में लाहौर कलंदर्स की टीम से खेल रहे हैं। पंजाब पुलिस की तरफ से पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर के लिखे गए पत्र में सिकंदर रजा और शाहीन शाह अफरीदी पर होटल के सुरक्षा मानकों को तोड़ने का गंभीर आरोप लगाया गया है।

रजा ने आरोपों को खारिज करते हुए सफाई दी है कि जो 4 मेहमान होटल आए थे वे लंबे समय से उनके दोस्त और परिवार के सदस्य की तरह हैं। रजा ने शाहीन का बचाव करते हुए कहा कि मैंने ही शाहीन से कहा था कि उनके दोस्तों को अंदर लाने में सहायता करें।

गिरावट के बाद फिर चमक सकता है स्मालकेप स्टॉक टाइम टेक्नोप्लास्ट!

2026 में 15 फीसदी टूटा, ब्रोकरेज को अब 70 फीसदी अपसाइड का दिख रहा मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर भारतीय शेयर बाजारों पर साफ दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई और यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र रहा जब प्रमुख सूचकांक दबाव में बंद हुए। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिली, जिससे ज्यादातर शेयर लाल निशान में बंद हुए। निवेशकों की चिंता बढ़ने के चलते लगभग सभी सेक्टरों में कमजोरी दर्ज की गई। इस गिरावट के बीच ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल फाइनें?शियल स?र्विसेज ने स्मॉलकैप कंपनी टाइम टेक्नोप्लास्ट पर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। ब्रोकरेज का मानना है कि हालिया गिरावट लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक अच्छा अवसर पेश करती है। मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टॉक पर 'खरीदारी' की सलाह बरकरार रखते हुए 280 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। मौजूदा स्तर से यह करीब 70 प्रतिशत से अधिक संभावित रिटर्न दर्शाता है। ब्रोकरेज के अनुसार, भले ही पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है, लेकिन कंपनी के ऑपरेशन काफी हद तक स्थिर हैं। इस क्षेत्र से कंपनी की कुल आय का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा आता है, जिससे जोखिम सीमित रहता है। कंपनी की रणनीति, जिसमें 11 देशों में स्थानीय स्तर पर उत्पादन और बिक्री शामिल है, सप्लाई चेन पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को कम करने में मदद करती है। इसके अलावा, वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स और कम्पोजिट सिलेंडर सेगमेंट में बढ़ती हिस्सेदारी कंपनी के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा बाजार गिरावट के बीच मजबूत फंडामेंटल वाले स्टॉक्स में चरणबद्ध निवेश फायदेमंद साबित हो सकता है।

वह पिछले वर्ष अक्टूबर से कार्यवाहक सीआईओ के रूप में मंत्रालय में जिम्मेदारी संभाल रही थीं और अब औपचारिक रूप से इस पद पर नियुक्त कर दी गई हैं। कुप्पा मंत्रालय की मुख्य कृत्रिम मेधा (एआई) अधिकारी भी हैं। इस भूमिका में वह मंत्रालय की सूचना प्रौद्योगिकी रणनीति, डिजिटल रूपांतरण और एआई के उपयोग की निगरानी करती रहेंगी। उनके नेतृत्व में मंत्रालय का आधुनिकीकरण कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने मंत्रालय में कई वरिष्ठ पदों पर काम किया।

डंकिन के साथ 'फेंचाइजी' समझौता नहीं बढ़ाएगी जुबिलेंट फूडवर्क्स

नई दिल्ली । देश की प्रमुख क्विक सर्विस रेस्तरां श्रृंखला जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड (जेएफएल) ने अमेरिकी कॉफी और डोनट ब्रांड डंकिन के साथ अपने फेंचाइजी समझौते को नवीनीकृत न करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि 24 फरवरी 2011 को किए गए मल्टीपल यूनिट डेवलपमेंट फेंचाइजी एग्रीमेंट की अवधि 31 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है।

जेएफएल ने कहा कि वह चरणबद्ध तरीके से स्टोर्स बंद करने या संचालन में बदलाव करने के विकल्प पर विचार करेगी। इसमें परिसंपत्तियों की बिक्री, हस्तांतरण, या फेंचाइजी अधिकारों का हस्तांतरण शामिल हो सकता है। सभी कदम डंकिन के मालिकों के परामर्श और कानूनी व नियामकीय आवश्यकताओं के अनुरूप होंगे। जुबिलेंट फूडवर्क्स के 3,500 से अधिक स्टोर्स भारत और पांच अन्य देशों में हैं।

जंग के बीच ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर टोल और सख्त नियम को दी मंजूरी

अमेरिका-इजराइल के जहाजों पर रोक का प्रस्ताव, वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने हाल ही में स्ट्रेट आफ होर्मुज को लेकर एक अहम मैनेजमेंट प्लान को मंजूरी दी है। इस योजना में इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर टोल (शुल्क) लगाने का प्रस्ताव शामिल है। सरकारी मीडिया के अनुसार, योजना में सुरक्षा, जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, पर्यावरण संरक्षण और वित्तीय प्रबंधन जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया है। प्रस्ताव के तहत टोल वसूली ईरानी मुद्रा रियाल में की जाएगी।

यूनाइटेड स्टेट और इजरायल के जहाजों के इस मार्ग से गुजरने पर रोक लगाने की बात कही गई है। इसके अलावा उन देशों के जहाजों को भी अनुमति नहीं दी जाएगी, जो ईरान पर एकतरफा प्रतिबंधों में शामिल हैं। योजना में ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने का भी उल्लेख है। इस बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि अमेरिका भविष्य में इस जलमार्ग पर स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने संकेत दिया कि इसके लिए बहुराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जा सकती है। वहीं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जलमार्ग को बाधित किया गया, तो अमेरिका ऊर्जा ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, उसके प्रवर्तक विपिन शर्मा और चार अन्य व्यक्तियों पर प्रतिभूति बाजार में हेरफेर और भ्रामक खुलासों के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की। नियामक ने संबंधित व्यक्तियों और कंपनियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शेयरों की खरीद-फरोख्त से रोक दिया और उनके बैंक व डीमैट खातों को जब्त राशि तक फ्रीज करने का निर्देश दिया।

भारत की ऊर्जा रणनीति में बड़ा बदलाव, रिन्यूएबल और ईवी बने भविष्य की कुंजी

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल आपूर्ति पर जोखिम के बीच भारत तेजी से अपनी ऊर्जा रणनीति बदल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश अब फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता घटाकर रिन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की ओर बढ़ रहा है, जो आने वाले समय में बड़े निवेश अवसर के रूप में उभर सकता है। भारत ने 2030 तक 500 जीडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का लक्ष्य रखा है, जिसमें से करीब 275 जीडब्ल्यू हासिल हो चुका है। हालांकि, चुनौती उत्पादन नहीं बल्कि वितरण है। ट्रांसमिशन लाइन की कमी, जमीन अधिग्रहण में देरी और परमिशन से जुड़े मुद्दों के कारण कई प्रोजेक्ट अटके हुए हैं। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में बिजली बनने के बावजूद उसका पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम और मजबूत ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर इस समस्या का समाधान बन सकते हैं। इसके साथ ही हाइब्रिड और राउंड-द-क्लॉक पावर प्रोजेक्ट्स पर भी निवेश बढ़ रहा है। दूसरी ओर, कई प्रोजेक्ट्स को पावर खरीद समझौते (पीपीए) नहीं मिल पा रहे हैं, जबकि ?डिस्कॉम कंपनियां वित्तीय दबाव में हैं।

मंगला बनीं अमेरिकी श्रम मंत्रालय की मुख्य सूचना अधिकारी

ह्यूस्टन । भारतीय मूल की तकनीकी विशेषज्ञ मंगला कुप्पा को अमेरिका के श्रम मंत्रालय का मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) नियुक्त किया गया है।

वह पिछले वर्ष अक्टूबर से कार्यवाहक सीआईओ के रूप में मंत्रालय में जिम्मेदारी संभाल रही थीं और अब औपचारिक रूप से इस पद पर नियुक्त कर दी गई हैं। कुप्पा मंत्रालय की मुख्य कृत्रिम मेधा (एआई) अधिकारी भी हैं। इस भूमिका में वह मंत्रालय की सूचना प्रौद्योगिकी रणनीति, डिजिटल रूपांतरण और एआई के उपयोग की निगरानी करती रहेंगी।

बदलाव सेबी के नए नियम लागू, अब घरेलू कीमतों पर तय होगी ईटीएफ वैल्यू

आज से सोना-चांदी निवेश के नियमों में होगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

1 अप्रैल से सोने और चांदी में निवेश करने वाले लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो रहे हैं, जिनका सीधा असर निवेश की वैल्यू, लोन सुविधा और टैक्स प्लानिंग पर पड़ेगा। सिक्युरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) के नए नियमों के अनुसार अब गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की कीमतें अंतरराष्ट्रीय मानक लंदन बुलियन मार्केट एसोशिएशन के बजाय भारतीय एक्सचेंज के घरेलू स्पॉट प्राइस पर आधारित होंगी। इससे निवेशकों को देश के वास्तविक बाजार भाव का बेहतर अंदाजा मिलेगा और विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव का असर कम होगा। वहीं, लोन से जुड़े नियमों में भी राहत दी गई है।

अब तक आमतौर पर बैंकों से गोल्ड लोन ही आसानी से मिलता था, लेकिन नए प्रावधानों के तहत बैंक और को-ऑपरेटिव फाइनेंस संस्थाएं चांदी (गहने, सिक्के और बर्तन) के बदले भी लोन दे सकेंगी।

लाभ टैक्स-फ्री रहेगा

यह कदम खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा, जिनकी बचत चांदी के रूप में है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) निवेशकों के लिए भी नियम बदले हैं। रिजर्व बैंक आफ इंडिया से सीधे खरीदे गए बॉन्ड पर मैच्योरिटी पर मिलने वाला लाभ टैक्स-फ्री रहेगा। हालांकि, यदि एसजीबी सेकेंडरी मार्केट से खरीदे गए हैं, तो उस पर टैक्स छूट नहीं मिलेगी।

इन बदलावों के बाद निवेशकों को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है, खासकर ईटीएफ और एसजीबी में निवेश करते समय। अब पता चलेगा कि अप्रैल महीने में क्या बढ़ा और और किसके दाम कम किए गए।

छत्तीसगढ़ के सिद्धार्थ नागेश ने शॉट पुट में स्वर्ण, डिस्कस थ्रो में रजत जीता

● केआईटीजी 2026 (सातवां दिन राउंडअप)

विजय मत/ रायपुर

झारखंड के शिव कुमार सोरेन और पृथ्वी उरांव ने मंगलवार को जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर मैदान में आयोजित किए जा रहे पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में सबसे तेज धावक बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, मेजबान छत्तीसगढ़ के सिद्धार्थ नागेश ने शॉट पुट में स्वर्ण और डिस्कस थ्रो में रजत पदक जीता, जबकि तिलक बारसेट ने पुरुष 100 मीटर में रजत पदक अपने नाम किया।

शिव कुमार और पृथ्वी ने

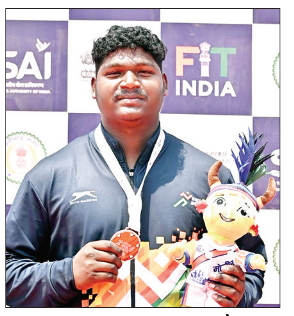

अपनी-अपनी 100 मीटर दौड़ की शुरुआत से अंत तक बढ़त बनाए रखते हुए अपने राज्य के लिए स्वर्ण पदक जीते। शिव कुमार ने 10.58 सेकंड का समय लिया, जबकि बारसेट ने 10.87 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया। ओडिशा के अतिश किंडो (10.91 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता।

महिला 100 मीटर फाइनल में 16 वर्षीय पृथ्वी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12.73 सेकंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। नागालैंड की रुडुओल्होनुओ बेल्हो (12.90 सेकंड) और झारखंड की पुतुल बक्शी (13.03 सेकंड) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।

पृथ्वी ने दौड़ के बाद कहा, मैं पदक जीतने को लेकर आश्वस्त थी क्योंकि मैंने चयन ट्रायल्स में अच्छा प्रदर्शन किया था। आज मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान दिया और खुशी है कि मैंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय बनाया।मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए सिद्धार्थ नागेश ने दिन की शुरुआत पुरुष डिस्कस थ्रो में 35.56 मीटर के साथ रजत पदक जीतकर की। गुजरात के दानिश मकवाना (44.83 मीटर) ने स्वर्ण, जबकि ओडिशा के चंद्राय मुर्मू (33.97 मीटर) ने कांस्य पदक जीता।

शाम के सत्र में सिद्धार्थ ने एक कदम आगे बढ़ते हुए 13.52 मीटर के थ्रो के साथ शॉट पुट में स्वर्ण पदक हासिल किया। दानिश मकवाना (13.04 मीटर) को रजत मिला।मेजबान छत्तीसगढ़ ने महिला फुटबॉल के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश को पेनल्टी शूटआउट में हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में उसका सामना झारखंड से होगा जिसने

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में कर्नाटक की मनीषा जोंस सिद्दी ने जीता गोल्ड

'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के प्रथम ऐतिहासिक संस्करण में कर्नाटक की बेटी मनीषा जोंस सिद्दी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कुश्ती के 76 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया है। अभावों के बीच पली-बढ़ी मनीषा की यह जीत केवल एक पदक नहीं, बल्कि उनके वर्षों के कठिन परिश्रम और अटूट संकल्प की विजय है। मनीषा का खेल जीवन चुनौतियों से भरा रहा है। उन्होंने बताया कि जब वह पाँचवीं कक्षा में थीं, तभी उनके पिता का देहांत हो गया था। इसके बावजूद, उनकी माँ ने हार नहीं मानी और अकेले दिन-रात मेहनत करके मनीषा के सपनों को पंख दिए। पूर्व में कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकीं मनीषा के करियर का यह पहला गोल्ड मेडल है। अपनी सफलता को साझा करते हुए मनीषा ने कर्नाटक के डिवाइस स्पोर्ट्स हॉस्टल की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, हॉस्टल के कोच और साथी खिलाड़ियों ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। मेरा बड़ा भाई मेरा मार्गदर्शक रहा है, वहीं छोटा भाई, जो खुद एक राज्य स्तरीय एथलीट है, वह मेरी सबसे बड़ी हिम्मत है।

लोक भवन में गूंजेगी उत्कल की संस्कृति, भव्य आयोजन के साथ मनाया जाएगा उत्कल दिवस

● उत्कल दिवस 2026: रायपुर में परंपरा, संस्कृति और सम्मान का भव्य संगम

उत्कल सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष के सहयोग से सम्पन्न होगा

विजय मत/ रायपुर

भारत देश के उड़िया प्रान्त को 1 अप्रैल 1936 में पृथक राज्य के रूप में मान्यता मिली। तब आज के छत्तीसगढ़ का एक बड़ा भू-भाग उड़ीसा से पृथक हो गया और ये उड़िया भाषी के लोग जिसमें विभिन्न जाति के लोगों का समावेश है, छत्तीसगढ़ में ही रह गए और आज की स्थिति में पूरे छत्तीसगढ़ में उड़िया भाषी के लोग निवास करते हैं। समुदाय की बात करें तो इनकी कुल जनसंख्या लगभग 35 लाख से भी ज्यादा है, रायपुर में उत्कल दिवस मनाने का शुरुवात 90 दशक से ही शुरू हो गई थी और छत्तीसगढ़ में पहली बार 1994 में 1 अप्रैल को उत्कल दिवस मनाया गया।

वैसे तो छत्तीसगढ़ का कोई कोना नहीं जहां उत्कल समाज के लोग निवास नहीं करते हैं। इसके बावजूद सबसे ज्यादा जिन क्षेत्रों में इनकी आबादी सबसे ज्यादा है उनमें रायपुर, रायगढ़, जगदलपुर, कांकेर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सारंगढ़, सरायपाली, बसना, पिथौरा, खल्लारी, महासमुंद, गरियाबंद, भिलाई, दुर्ग के अलावा जशपुर, कुनकुरी, लैलूंगा, तनाखार, पुसौर, सरिया, बरमकेला, सरगुजा, बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग सहित अन्य क्षेत्र शामिल है। बता दें कि 35 लाख से भी ज्यादा उड़िया समाज के लोगों में आर्थिक रूप से सम्पन्न लोगों के साथ-साथ कमजोर तबके के लोगों को भी भरमार है और इस समाज के अंतर्गत 18 से भी ज्यादा विभिन्न जाति समुदाय उड़िया भाषा भाषी के लोग सम्मिलित है।

इसके साथ ही कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के समस्त मंत्रीगण नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत जी, सांसद, रायपुर शहर के विधायकगण, नगर निगम रायपुर के महापौर श्रीमती मिनल चौबे, समस्त पार्षदगण सहित छत्तीसगढ़ और उड़ीसा के अतिथि उपस्थित रहेंगे।

जहां सांस्कृतिक दलों द्वारा उड़िया गीत, भजन, ओडिसी नृत्य, संबलपुरी नृत्य सहित कई प्रकार के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे इस अवसर पर समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों का राज्यपाल के हाथों सम्मान भी किया जाएगा।

1 अप्रैल 2026 यह वर्ष है जब उड़ीसा के स्थापना का 91 वा स्थापना दिवस होगा। रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में सम्पन्न होने वाला यह कार्यक्रम लोकभवन बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ प्रभावशाली लोग गणमान्य अतिथियों के आतिथ्य में सम्पन्न होगा। सर्व उड़िया समाज के प्रदेश अध्यक्ष एवं रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा के मार्गदर्शन में एवं उत्कल सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष डॉ के.के. भोई के सहयोग से सम्पन्न होगा। इस कार्यक्रम में राज्यपाल महामहिम श्री रमेन डेका जी मुख्यातिथि होंगे। एवं इसकी अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे।

सार समाचार

रायपुर जीपीओ में डाक सेवाओं के साथ-साथ बीएसएनएल के सिम कार्ड भी रहेंगे उपलब्ध

विजय मत/रायपुर। आज India Post के अंतर्गत रायपुर जीपीओ (मुख्य डाकघर रायपुर) में Bharat Sanchar Nigam Limited की सेवाओं उद्घाटन किया गया। अब रायपुर जीपीओ में डाक सेवाओं के साथ-साथ BSNL के सिम कार्ड भी उपलब्ध रहेंगे। इस सेवा के माध्यम से नागरिकों को BSNL के नए प्रीपेड सिम कार्ड, एवं BSNL मोबाइल सिम रिचार्ज जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह पहल भारत सरकार के डिजिटल इंडिया मिशन को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें डाक विभाग एवं BSNL मिलकर देश के हर नागरिक तक संचार सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करेंगे। रायपुर जीपीओ में इसका लाभ सिम से संबंधित सुविधाएं मिलने से नागरिकों को बेहतर, सुलभ एवं एकीकृत सेवाएं प्राप्त होंगी, जिससे जनसुविधा एवं डिजिटल सशक्तिकरण को नई गति मिलेगी। इस सुविधा का शुभारंभ निदेशक डाक सेवाएं छत्तीसगढ़ परिमंडल दिनेश कुमार मिस्त्री के द्वारा किया गया। इस अवसर पर बी एस एन एल रायपुर के DGM वाई पी सिंह, एवं AGM मिलिंद उपासनी एवं प्रवर अधीक्षक डाकघर एच.के.महावर तथा डाक विभाग व बीएसएनएल के अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नक्सलवाद की पोषक तो भाजपा की नीतियां थी : कांग्रेस

विजय मत/रायपुर। भाजपा द्वारा नक्सल मामला पर अपनी पीठ थपथपाने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद भाजपा के रमन सरकार के समय पूरे प्रदेश फैला जब राज्य में 2003 में भाजपा की सरकार बनी तब नक्सलवाद बस्तर के 3 ब्लॉकों तक ही सीमित था। रमन राज के 15 सालों में नक्सलवाद बस्तर के तीन ब्लॉकों से निकलकर 14 जिलों तक पहुंच गया। इन 15 सालों के अंत के 4 साल तक केंद्र में नरेन्द्र मोदी की भी सरकार बन चुकी थी। प्रधानमंत्री इस तथ्य को जान ले राज्य में नक्सलवाद की जिम्मेदार भाजपा की फासीवादी सोच और नीतियां है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में प्रदेश में नक्सलवादी गतिविधियों में 80 प्रतिशत की कमी हुई थी। नक्सलियों के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी हुई है, एनकाउंटर हुआ है, तब नक्सली छत्तीसगढ़ छोड़कर भाग गये थे। वर्ष 2008 से लेकर 2018 तक के आंकड़ों को यदि देखा जाए तो इस दौरान राज्य में नक्सली हर साल 500 से लेकर 600 हिंसक घटनाओं को अंजाम देते थे, जो भूपेश सरकार के 5 सालों में घटकर औसतन रूप से 250 तक रह गई थी।

बस्तर में विश्वास की जीत : दण्डकारण्य में 25 माओवादी कैडरों की मुख्यधारा में वापसी

दण्डकारण्य आज हिंसा से विश्वास की ओर लौटने का साक्षी बन रहा है : मुख्यमंत्री

विजय मत/ रायपुर

छत्तीसगढ़ में आज 31 मार्च 2026 का दिन वामपंथी उग्रवाद के अंत के ऐतिहासिक और निर्णायक दिन के रूप में दर्ज हो रहा है। दण्डकारण्य क्षेत्र में ह्वपूना मारगेम झ पुनर्वास से पुनर्जीवनह्व पहल के अंतर्गत 25 माओवादी कैडरों (12 महिला सहित) ने हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की है। यह घटना नक्सल आतंक के समापन की दिशा में एक स्पष्ट और ठोस उपलब्धि के रूप में सामने आई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का दिन दण्डकारण्य और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ है, जब वर्षों से चली आ रही हिंसा और भय की विचारधारा ने आत्मसमर्पण किया है।

उन्होंने कहा कि यह विश्वास, लोकतंत्र और जनशक्ति की जीत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले इन 25 माओवादी कैडरों पर कुल ?1.47 करोड़ का इनाम घोषित था। इनका मुख्यधारा में लौटना इस बात का प्रमाण है कि अब भटके हुए लोगों का भरोसा लोकतांत्रिक व्यवस्था और सरकार की पुनर्वास नीति पर मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की प्रभावी कार्रवाई और सरकार की समन्वित रणनीति के परिणामस्वरूप माओवादी तंत्र निर्णायक रूप से कमजोर हुआ है। इसी क्रम में 93 घातक हथियारों के साथ ?14.06 करोड़ की बड़ी बरामदगी भी हुई है, जो नक्सली नेटवर्क की कमजोर होती स्थिति को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह केवल आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि विश्वास की वापसी है। दण्डकारण्य क्षेत्र आज शांति, स्थिरता और सामान्य जीवन की ओर लौटने के इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बन रहा है।

उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 का यह दिन छत्तीसगढ़ के इतिहास में उस तिथि के रूप में याद किया जाएगा, जब नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक परिणाम सामने आया और प्रदेश ने एक नए युग की दहलीज पर कदम रखा है।

दंतेवाड़ा में 5 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

बस्तर अंचल में शांति और विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े 5 माओवादियों ने मंगलवार को समाज की मुख्यधारा में वापसी कर ली। इनमें 4 महिला माओवादी शामिल हैं। सभी पर कुल 9 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस लाइन कारली में आयोजित आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास कार्यक्रम के दौरान इन कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

रायपुर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने

सामान्य सभा में सभी कांग्रेस पार्षदों के साथ महापौर पर वादा खिलाफी का लगाया आरोप

विजय मत/रायपुर

रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने आज सामान्य सभा में अपने सभी कांग्रेस पार्षदों के साथ महापौर पर सीधा-सीधा वादा खिलाफी का आरोप लगाया और कहां की 2025 के वादे पूरे हुए नहीं और महापौर नए-नए वादों का पुलिंदा लेकर 2026 में फिर आ गई अपने सभी साथी पार्षदों के साथ नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने अपनी मांगों की पट्टीका को लेकर सभापति के टेबल के पास पहुंचे और कहा कि जब तक हमारी मांग नहीं पूरी होगी हम यहां से नहीं जाएंगे इस पर माननीय सभापति ने समान सभा की

बात कही और सभी पार्षदों को अपने स्थान पर बैठने नेता प्रतिपक्ष जी को आग्रह किया जो कि

सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने अपने सभी कांग्रेसी परिषदों के साथ बजट में भाग लिया महापौर जी के बजट भाषण के बाद रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने आरोप लगाया कि महापौर जी द्वारा केवल वादों का पुलिंदा लेकर बजट प्रस्तुत किया जा रहा है शहर के पानी संकट को देखते हुए जल बोर्ड का गठन 3 महीना पहले किया गया था जिस पर नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने सीधा-सीधा जल बोर्ड के गठन पर आरोप लगाया है कि क्या नगर निगम को जल बोर्ड के गठन का अधिकार है।

पीएम आवास निर्माण में देश में अव्वल होने पर डिप्टी सीएम शर्मा ने जताया हर्ष

विजय मत/रायपुर. छत्तीसगढ़ राज्य ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल करते हुए पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। राज्य ने न केवल सर्वाधिक आवास निर्माण पूर्ण कर राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया है, बल्कि मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। इस उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने हर्ष जताते हुए प्रदेशवासियों एवं हितग्राहियों को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने बताया कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत छत्तीसगढ़ ने "एसएनए स्पर्श" के माध्यम से देश में सर्वाधिक व्यय कर उत्कृष्ट वित्तीय प्रबंधन का भी उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2016 में योजना के प्रारंभ से अब तक एक ही वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक आवास निर्माण का रिकॉर्ड भी इसी वर्ष दर्ज किया गया है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में उठाया 'एकल शिक्षक' स्कूलों का मुद्दा

विजय मत/रायपुर

लोकसभा सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में छत्तीसगढ़ समेत देशभर में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी और छात्र-शिक्षक अनुपात में विसंगति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। अग्रवाल ने सरकार से एकल शिक्षक स्कूलों को समाप्त करने की समय-सीमा और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षकों की तैनाती को लेकर भी सवाल किए।

सांसद अग्रवाल ने अतारांकित प्रश्न के माध्यम से सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि छत्तीसगढ़ सहित देश के कई राज्यों में प्राथमिक विद्यालय केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं, जो शिक्षा के अधिकार (फ्छ्य्) अधिनियम का उल्लंघन है। उन्होंने 'पीएम श्री' योजना के तहत विकसित आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के

अल्प-उपयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों के बिना केवल बिल्डिंग बना देने से शिक्षा का स्तर नहीं सुधरेगा। जिसपर जवाब देते हुए शिक्षा राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने जानकारियां साझा करते हुए बताया कि, शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है, अतः शिक्षकों की भर्ती, सेवा शर्तें और उनकी तैनाती मुख्य रूप से राज्य सरकारों के प्रशासनिक नियंत्रण में आती है। सेवानिवृत्ति और नामांकन में वृद्धि के कारण रिक्तियां एक सतत प्रक्रिया है, जिसे भरना राज्यों का दायित्व है। केंद्र सरकार 'समग्र शिक्षा' योजना के माध्यम से राज्यों को वित्तीय मदद दे रही है। विशेष रूप से पहाड़ी, दुर्गम और जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षकों (खासकर महिला शिक्षकों) के लिए आवासीय क्वार्टर बनाने पर जोर दिया जा रहा है ताकि शिक्षकों का प्रतिधारण बेहतर हो सके।

मंत्री ने यह भी बताया कि 'पीएम श्री' स्कूलों में शिक्षण की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रति शिक्षक ?2,500 तक की सहायता और उत्कृष्ट के माध्यम से ?3 लाख तक का बजट आवंटित किया जा रहा है। 'निष्ठा' कार्यक्रम के जरिए शिक्षकों को डिजिटल तकनीक और आधुनिक शैक्षणिक पद्धतियों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। सरकार ने बताया कि वर्ष 2024-25 के यूडाइस डेटा के अनुसार एकल शिक्षक स्कूलों की राज्य-वार सूची सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध है।

केन्द्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते आज भारत नक्सलमुक्त हुआ है

विजय मत / रायपुर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि केन्द्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते आज भारत नक्सलमुक्त भारत हुआ है। नक्सल मुक्त बस्तर के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, के प्रति उन्होंने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृहमंत्री श्री शाह एवं प्रदेश की साय सरकार ने लगातार प्रयास किया, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों में जागरूकता लाई एवं माओवादियों को मुख्यधारा में लाने के लिए पुनर्वास जैसी महत्वपूर्ण नीति भी लाई। जिससे प्रभावित होकर

नक्सली मुख्यधारा में लौटे। केन्द्र सरकार के कार्यों एवं प्रदेश की साय सरकार की नीतियों से प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने नक्सलवाद के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी दशकों तक हमारे सुदूर वनांचल क्षेत्र के जनजातीय क्षेत्रों ने नक्सलवाद का दंश झेला है। लाल आतंक बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ की सीमाओं को घेरे हुए था, जिसके कारण वहां के स्थानीय जनजातीय समुदाय के लोगों का जीवन शैली और क्षेत्र का विकास दोनों ही दशकों तक बाधित रहा। हमारे सैकड़ों जवान नक्सलवाद से लड़ाई में बलिदान हो गए। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के अथक प्रयास से आज छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त हुआ है इसके लिए पूरा छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री श्री साय एवं उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा के प्रति आभारी रहेगा।

मंत्री राजवाड़े जिला अस्पताल में लापरवाही पर जितना डॉक्टर को फटकार रहे अव्यवस्था के लिये उतनी नाराजगी स्वास्थ्य मंत्री के प्रति भी जाहिर करे

प्रदेश के सरकारी अस्पतालो में भारी अव्यवस्था मरीजो के साथ दुर्व्यवहार आम बात जिम्मेदार स्वास्थ्य मंत्री पर लक्ष्मी राजवाड़े मौन क्यों?

विजय मत/रायपुर

खून की कमी से जिला अस्पताल सूरजपुर में हुयी बच्चे को मौत पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के डॉक्टरों पर भड़कने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। मेडिकल कालेज, हास्पिटल, जिला अस्पताल, प्राथमिक चिकित्सालय में मरीज ईलाज के लिये भटक रहे है। मरीजों से दुर्व्यवहार एवं इलाज में लापरवाही बरतने की शिकायत लगातार मिल रही है। इसके लिये जितना डॉक्टर दोषी है, उतना ही स्वास्थ्य मंत्री भी जिम्मेदार है। सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स की कमियां, दवाइयां, एक्सरे, सहित सभी प्रकार की जांच की सुविधा एक प्रकार से खत्म हो गई है। जब मरीज के परिजन अस्पतालों की दुर्दशा पर शिकायत करते है, तब भाजपा सरकार के मंत्री सब कुछ बेहतर होने दावा कर शिकायतों को नजरअंदाज करते है। अब मंत्री राजवाड़े खुद ही डॉक्टर पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा

रही है तो इन परिस्थियों के लिये जिम्मेदार कौन है? प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा अब मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े जब जिला अस्पताल में ईलाज की लापरवाही का आरोप लगा रही है। ये तो लचर स्वास्थ्य को स्वीकार कर रही है। अब क्या मंत्री राजवाड़े मुख्यमंत्री से स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल की विभागीय नकामी को लेकर शिकायत करेंगी? क्या सरकारी अस्पतालों की दुर्दशा सुधारने सरकार कड़े कदम उठायेगी। या हमेशा की तरह मंत्री राजवाड़े इन अव्यवस्थाओं से मुंह फेर लेंगी और फिर भाजपा सरकार की झूठी तारीफ करने में जुट जायेंगी।मंत्री राजवाड़े को प्रदेश के सभी अस्पतालों का दौरा कर निरीक्षण करना चाहिये और व्यवस्था बनाने का प्रयास करना चाहिये।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा अब मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े जब जिला अस्पताल में ईलाज की लापरवाही का आरोप लगा रही है। ये तो लचर स्वास्थ्य को स्वीकार कर रही है। अब क्या मंत्री राजवाड़े मुख्यमंत्री से स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल की विभागीय नाकामी को लेकर शिकायत करेंगी?

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वावरा आशमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997